रांची, रविवार, 9 अगस्त 2026
संवत 2083, श्रावण कृष्ण 9 मूल्य-3 रुपये
वर्ष-9, अंक 326, पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

सांध्य दैनिक

4 ▶▶ विश्व आदिवासी दिवस

फरहाना भट्ट ने रोहित शेट्टी को बताया मजबूत सपोर्ट ◀◀ 6

झारखंड आदिवासी महोत्सव का आगाज

मोरहाबादी मैदान में दिखेगी जनजातीय संस्कृति की रंगीन छटा

संवाददाता

रांची : झारखंड की समृद्ध आदिवासी संस्कृति, कला, परंपरा और लोक विरासत का भव्य उत्सव झारखंड आदिवासी महोत्सव का आगाज हो गया। मोरहाबादी समेत शहर के विभिन्न स्थानों और धुमकुड़िया भवनों में हर्षोल्लास से मनाया जा रहा है। महोत्सव के उद्घाटन समारोह में राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे, जबकि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन भी मौजूद रहेंगे।

उद्घाटन समारोह की शुरूआत दोपहर 1:30 बजे से होगी। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के मुख्य द्वार पर आगमन के बाद 1:35 बजे मुख्य अतिथि राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार का आगमन होगा। इसके बाद संथाली कलाकारों द्वारा पारंपरिक लोटा पानी स्वागत किया जाएगा। दो

पाईका नृत्य समूह पारंपरिक अंदाज में मुख्य अतिथि का स्वागत करेंगे।

प्रदर्शनी से लेकर इमर्सिव जोन तक का होगा उद्घाटनः कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि प्रदर्शनी शिविर, वृत्तचित्र फिल्म महोत्सव, इमर्सिव जोन और चित्रकला शिविर का उद्घाटन करेंगे। इसके बाद शहीद वेदी पर पुष्पार्पण और नगाड़ा फॉर्मेशन की विशेष प्रस्तुति होगी।

करीब 2:12 बजे मुख्य अतिथि और मुख्यमंत्री मंच पर पहुंचेंगे। अतिथियों का सखुआ पौधे से अभिनंदन किया जाएगा। इसके बाद दीप प्रज्ज्वलन, स्वागत संबोधन और दो वीडियो का लोकार्पण होगा।

मुख्यमंत्री करीब 2:28 बजे समारोह को संबोधित करेंगे। इसके बाद राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार का संबोधन होगा। उद्घाटन सत्र के बाद सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का सिलसिला शुरू होगा।

देशभर के आदिवासी कलाकार बिखेरेंगे संस्कृति के रंगः महोत्सव के सांस्कृतिक कार्यक्रम में झारखंड के साथ-साथ देश के विभिन्न राज्यों के आदिवासी कलाकार अपनी पारंपरिक कला और नृत्य प्रस्तुत करेंगे। मोनिका मुंडू की प्रस्तुति के बाद वर्षा लकड़ा की नृत्य नाटिका दर्शकों को जनजातीय संस्कृति की विविधता से रूबरू कराएंगे।

इसके बाद प्रभात कुमार महतो द्वारा मानभूम छऊ नृत्य की प्रस्तुति होगी। महाराष्ट्र, ओडिशा, छत्तीसगढ़ और राजस्थान के आदिवासी कलाकार भी अपने पारंपरिक नृत्य पेश करेंगे।

पद्मश्री मुकुंद नायक से लेकर नितेश कच्छप तक खास प्रस्तुतियांः कार्यक्रम में पद्मश्री मुकुंद नायक नागपुरी गीत और नृत्य की प्रस्तुति देंगे। इसके बाद पाइका नृत्य, झूमर, छऊ और करमा नृत्य की प्रस्तुति राहुल डांस एकेडमी द्वारा की जाएगी।

शाम के कार्यक्रम में मेघा एस डॉल्टन की प्रस्तुति के बाद तकनीकी सेटअप के लिए 15 मिनट का विश्राम होगा। इसके बाद आवेग बैंड प्रस्तुति देगा। रात में नितेश कच्छप की प्रस्तुति के साथ महोत्सव का माहौल और भी रंगीन होगा।

ड्रोन शो बनेगा आकर्षण का केंद्रः महोत्सव के उद्घाटन समारोह का सबसे बड़ा आकर्षण रात 8:15 बजे होने वाला ड्रोन शो होगा। आसमान में रोशनी और ड्रोन की कलाकृतियों के जरिए झारखंड की संस्कृति और पहचान को एक अलग अंदाज में प्रस्तुत किए जाने की उम्मीद है।

मोरहाबादी मैदान में होने वाला यह आयोजन झारखंड की जनजातीय विरासत, लोककला, संगीत, नृत्य और परंपराओं को एक मंच पर लाने के साथ-साथ देश के अलग-अलग राज्यों की आदिवासी संस्कृति से लोगों को परिचित करा रहे हैं।

रांची में जमीयत उलेमा झारखंड के प्रोफेशनल मिटिंग का आयोजन

गुलाम शाहिद

रांचीः जमीयत उलेमा झारखंड की ओर से 9 अगस्त को रांची के कर्बला चौक स्थित गुलशन हाल में जमीअत उलमा-ए-हिन्द की प्रोफेशनल्स मीटकार्यक्रम आयोजित किया गया । इस में जमीयत उलेमा-ए-हिंद के महासचिव हजरत मौलाना हकीमुद्दीन कासमी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए और समाज के विभिन्न वर्गों को संबोधित किया ।

जमीयत उलेमा झारखंड के महासचिव अलहाज शाह उमैर ने बताया कि जमीयत के आठ मॉडल जिलों के अध्यक्ष, सचिव, वर्किंग कमेटी के सदस्य तथा राज्य के अन्य जिलों के पदाधिकारी शामिल हुए । कार्यशाला में संगठन को मजबूत बनाने, तंजीमी गतिविधियों को प्रभावी करने और भविष्य की कार्ययोजना पर विस्तार से मंथन किया गया । इस दौरान मौलाना हकीमुद्दीन कासमी का विशेष मार्गदर्शन मिला । कार्यक्रम प्रोफेशनल्स मिट में शहर के डॉक्टर, इंजीनियर, अधिवक्ता, शिक्षक, व्यवसायी और विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े प्रोफेशनल्स ने भाग लिया ।

इस अवसर पर मौलाना हकीमुद्दीन कासमी समाज के समसामयिक मुद्दों, नैतिक मूल्यों और सामाजिक जिम्मेदारियों पर अपना विशेष संबोधन किया । अलहाज शाह उमैर उन्होंने कहा कि इन आयोजनों का उद्देश्य समाज में दीनी जागरूकता बढ़ाना, संगठनात्मक मजबूती प्रदान करना तथा नैतिक और सामाजिक मूल्यों के प्रति लोगों को जागरूक करना है। उन्होंने विश्वास जताया कि मौलाना हकीमुद्दीन कासमी के मार्गदर्शन से समाज के सभी वर्गों को नई दिशा और प्रेरणा मिलेगी।

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER
ROAD CONSTRUCTION DEPARTMENT
ROAD DIVISION, GUMLA- 835207
E-mail :- eeredgumla-jhr@nic.in

e-Procurement Notice

e-Tender Reference no.- RCD/Gumla /579 Dated :- 06.08.2026

1	कार्य का नाम	घाघरा– नेतरहाट पथ (SH09) के किमी० 43.00 से 48.00 तक विभिन्न पथांशो में गार्डवाल तथा फ्लैंक मरम्मति कार्य।
2	प्राक्कलित राशि	Rs. – 89,98,185.00
3	बीड सिक्युरिटी (राशि)	Rs. – 180000.00
4	कार्य पूर्ण करने की अवधि	05 Months
5	वेबसाईट पर निविदा प्रकाशन की तिथि	11.08.2026 from 10.30 A.M.
6	निविदा प्राप्त करने की अंतिम तिथि एवं समय	25.08.2026 upto 12.00 Noon
7	निविदा खुलने का तिथि एवं समय	27.08.2026 at 12.30 P.M.
8	निविदा खुलने का स्थान	Chief Engineer (Com)cum-Nodal Officer, e-Procurement Cell, RCD, Jharkhand, 1st Floor, Engineer's Hostel No.-2, Dhurwa, Ranchi-834004.
9	निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम, पता एवं दूरभाष संख्या	कार्यपालक अभियंता, पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमंडल, गुमला। मोबाईल नं0– 8709076211
10	ई–मेल	eeredgumla-jhr@nic.in
11	ई–प्रोक्यूरमेंट सेल का सहायता दूरभाष संख्या	0651-2401010

Further details can be seen on website http://jharkhandtenders.gov.in
Sd/-
Executive Engineer
Road Construction Department
Road Division, Gumla
PR 387020 Road (26-27)_D

विश्व आदिवासी दिवस पर जिला प्रशासन ने निकाला प्रभात फेरी

बिरसा मुंडा,शिबू सोरेन समेत विभिन्न महापुरुषों की वेशभूषा में विद्यार्थियों ने किया आकर्षित

मेट्रोरेज संवाददाता

मेदिनी नगरः विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर पलामू जिला प्रशासन की ओर से रविवार को प्रभात फेरी का आयोजन किया गया। जिला दंडाधिकारी-सह-उपायुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत ने हरी झंडी दिखाकर प्रभात फेरी को रवाना किया।

इस अवसर पर उपायुक्त ने कहा कि प्रभात फेरी के माध्यम से आमजनों तक विश्व आदिवासी दिवस के महत्व, आदिवासी समाज की समृद्ध कला-संस्कृति, परंपराओं एवं उनके गौरवशाली इतिहास का संदेश पहुंचाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि विश्व आदिवासी दिवस झारखंड के विभिन्न हिस्सों में उत्साह के साथ मनाया जा रहा है और पलामू भी इसमें सक्रिय सहभागिता निभा रहा है। उन्होंने कहा कि झारखंड राज्य के गठन के बाद से आदिवासी समाज के सामाजिक, शैक्षणिक एवं आर्थिक उत्थान की दिशा में निरंतर कार्य किए जा रहे हैं। आदिवासी समाज की समृद्ध विरासत एवं संस्कृति के संरक्षण तथा उसके संवर्धन में समाज के प्रत्येक वर्ग की सहभागिता आवश्यक है।

उपायुक्त ने प्रभात फेरी में शामिल विद्यार्थियों एवं कलाकारों द्वारा प्रस्तुत विभिन्न झांकियों एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का अवलोकन किया तथा उनकी सराहना की। उन्होंने विद्यार्थियों के उत्साह एवं रचनात्मक प्रस्तुति की प्रशंसा करते हुए कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए सभी संबंधितों को शुभकामनाएं दीं।

झांकियों ने किया लोगों को आकर्षितः प्रभात फेरी के दौरान संत मरियम स्कूल एवं ग्रीन वैली स्कूल के विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत विभिन्न झांकियां आकर्षण का केंद्र रहीं। ग्रीन वैली स्कूल के विद्यार्थियों ने झारखंड के आदिवासी स्वतंत्रता सेनानियों एवं वीर सपूतों की वेशभूषा धारण कर उनके योगदान को प्रदर्शित किया।

वहीं, संत मरियम स्कूल के विद्यार्थियों ने राजा मेदिनी राय, बिरसा मुंडा, नीलांबर-पीतांबर एवं शिबू सोरेन की भूमिका में अपनी प्रस्तुति दी। विशेष रूप से बिरसा मुंडा एवं शिबू सोरेन की वेशभूषा एवं प्रस्तुति ने लोगों का ध्यान आकर्षित किया। विद्यार्थियों ने अपने अभिनय के माध्यम से झारखंड के इतिहास एवं आदिवासी समाज के संघर्ष और योगदान को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया।

प्रभात फेरी के प्रारंभ होने से पूर्व नृत्य निर्देशक सुजीत कुमार के निर्देशन में संत मरियम स्कूल की छात्राओं द्वारा मनमोहक सांस्कृतिक नृत्य की प्रस्तुति दी गई।कार्यक्रम को सफल बनाने में संत मरियम स्कूल के कला निर्देशक कामरूप सिन्हा, राज प्रतीक पाल एवं ग्रीन वैली स्कूल के कला शिक्षक संजीत प्रजापति का सराहनीय योगदान रहा।

इस अवसर पर जिला शिक्षा पदाधिकारी संदीप कुमार, डीसीएलआर प्यारे लाल, एपीआरओ अजित कुमार, शिक्षाविद अविनाश देव, पंडित प्रदीप नारायण, ट्रैफिक प्रभारी रुद्रानंद सरस, कार्यक्रम संयोजक सैकत चट्टोपाध्याय सहित जिला प्रशासन के पदाधिकारी, शिक्षक, विद्यार्थी एवं अन्य लोग उपस्थित थे।

एआईएलएस एकेडमी का उद्घाटन, विद्यार्थियों को मिलेगी भाषा व कौशल प्रशिक्षण की सुविधा

मेट्रो रेज

रांचीः हरगड़ी रोड, पाथल कुदवा स्थित एआईएलएस का उद्घाटन मौलाना उबैदुल्लाह के हाथों किया गया। इस मौके पर संस्था के संस्थापक एमडी शहरोज आलम (खादिमुल उम्मत) समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

एआईएलएस एकेडमी में विद्यार्थियों की शैक्षणिक शिक्षा के साथ भाषा दक्षता, व्यक्तित्व विकास और सॉफ्ट स्किल्स पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। संस्थान में अरबी भाषा बोलना, अंग्रेजी भाषा बोलना और कुरआन सीखने के लिए प्रशिक्षण की व्यवस्था की गई है।

इसके अलावा कक्षा 1 से 8 तक के सभी विषयों, 10वीं, 11वीं और 12वीं की पढ़ाई के साथ 11वीं एवं 12वीं के विद्यार्थियों के लिए पीसीएम(भौतिकी, रसायन विज्ञान एवं गणित) की सुविधा उपलब्ध होगी। विद्यार्थियों के लिए जीव विज्ञान, एडवांस नाजरा कोर्स, सॉफ्ट स्किल्स ट्रेनिंग और तकनीकी प्रशिक्षण जैसे अन्य पाठ्यक्रम भी शुरू किए गए हैं।संस्थान की ओर से बताया गया कि विद्यार्थियों को योग्य शिक्षकों के माध्यम से शिक्षा देने के साथ नियमित मूल्यांकन किया जाएगा। पढ़ाई को व्यावहारिक बनाने और विद्यार्थियों में आत्मविश्वास विकसित करने पर विशेष जोर रहेगा।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
लघु सिंचाई प्रमण्डल, लोहरदगा।
(E -MAIL ID – midloh632@gamail.com)

पत्रांक ..../लोहरदगा, दिनांक....................../

शुद्धि पत्र

PR NO. 386093 Lohardaga(26-27)D के द्वारा प्रकाशित इस कार्यालय के ई0 अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना संख्या MID/LOHARDAGA/F2-47/2026-27 के बदले अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना संख्या MID/LOHARDAGA/F2-13/2026-27 पढ़ा जाय। साथ ही अपरिहार्य कारणों से तिथि निम्न प्रकार संशोधित किया जाता है :–

वेबसाइड में ई–निविदा प्रकाशन की तिथि/समय	13.08.2026 अपराह्न 2.00 बजे तक।
ई–निविदा प्राप्त करने की अंतिम तिथि/समय	19.08.2026 अपराह्न 4.00 बजे तक।
ऑनलाइन ई–निविदा शुल्क एवं EMD जमा करने की अंतिम तिथि/समय	e-Procurement Portal (jharkhandtenders.gov.in) 19.08.2026 अपराह्न 4.00 बजे तक।
ई–निविदा खोलने की तिथि/समय	20.08.2026 अपराह्न 4.30 बजे।

निविदा सूचना की शेष शर्तें यथावत् रहेगा।
कार्यपालक अभियंता,
लघु सिंचाई प्रमण्डल, लोहरदगा।
PR 386979 Lohardaga(26-27)D

किसान वैज्ञानिक अंतर मिलन सह कृषक गोष्ठी का आयोजन

मेदिनी नगरः नीलाम्बर पीताम्बर पुर प्रखंड के औरिया कला गांव में किसान वैज्ञानिक अंतर मिलन सह कृषक गोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें उपायुक्त पलामू दिलीप सिंह शेखावत ने कृषक गोष्ठी को सम्बोधित करते हुए कहा कि ईआई नीनो के इफेक्ट से कम वर्षा होने की स्थिति गंभीर चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि ऐसी स्थिति में जहां वर्षा कम हो किसानों को धान के अलावा वैकल्पिक फसलों यथा दलहन ,तिलहन, मोटे अनाज ,सोयाबीन ,मक्का इत्यादि फसलों पर ध्यान केंद्रित करने की जरूरत है।

कार्यपालक अभियंता कार्यालय पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमण्डल, गुमला

निविदा आमंत्रण सूचना सं0– 02/2026–27

1. विज्ञापन दाता का नाम एवं पता : कार्यपालक अभियन्ता, पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमण्डल, गुमला।
2. परिमाण विपत्र विक्री की तिथि : दिनांक– 25.08.2026 को 5.00 बजे अपराह्न तक।
3. निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय : दिनांक– 27.08.2026 को 3.00 बजे अपराह्न तक।
4. निविदा खोलने की तिथि एवं समय : दिनांक– 27.08.2026 को 3:30 बजे अपराह्न।
5. परिमाण विपत्र विक्री का स्थान : (i) मुख्य अभियन्ता(या0) का कार्यालय, पथ निर्माण विभाग, अभियंत्रण, छात्रावास नं0–2 धुर्वा, राँची, झारखण्ड। : (ii) अधीक्षण अभियन्ता, पथ निर्माण विभाग, पथ अंचल, राँची। : (iii) कार्यपालक अभियन्ता, पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमण्डल, गुमला।
6. निविदा प्राप्ति एवं खुलने का स्थान : क्रमांक 5(पाँच) में उल्लेखित कार्यालयों में निर्धारित स्थानों पर।
7. कार्यो की विवरणी :–

क्र. सं.	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि (लाख में)	अग्रधन की राशि (रूपये में)	परिमाण विपत्र का मूल्य (रूपये में)	कार्य समाप्ति की अवधि
1	पालकोट–अपरखामन– जोंझाजाम पथ के 0.00 से 19.800 किमी0 तक साधारण मरम्मति कार्य।	29.99	60000.00	5000.00	3 Months
2	घाघरा सिसई पथ के किमी0 0.00 से 28.039 तक में साधारण मरम्मति कार्य।	34.99	70000.00	5000.00	3 Months
3	छारदा पुसो भाया नूसरो, महामू, कोटारी, बोरो, चकरिया पथ के किमी0 1(100.0m), 3(40.0m), 4(55.0m), 5(100.0m) 6(120.0m), 7(290.0m), 8(390.0m) 9(100.0m) 10(420.0m), 11(830.0m), 12(380.0m) 13(420.0m) 14(570.0m) 15(695.0m) 16(220.0m), 17(570.0m) एवं 18 में साधारण मरम्मति कार्य।	29.98	60000.00	5000.00	3 Months
4	चैनपुर घाघरा पथ के किमी0 0.00 से 41.930 तक में साधारण मरम्मति में कार्य।	29.98	60000.00	5000.00	3 Months
5	पोकला रेलवे स्टेशन से कुम्हारी पथ के किमी0 0.00 से 21.960 तक में साधारण मरम्मति कार्य।	29.95	60000.00	5000.00	3 Months
6	सिसई– भंडरा पथ के 7वें, 17वें एवं 26वें किमी0 में क्रैश बैरियर अधिष्ठापन कार्य।	31.67	64000.00	5000.00	2 Months
7	भौंसाटोली– बिरकेरा– कोन्द्रा पथ के 1लें, 6ठें–8वें, 12वें–14वें, 20वें–22वें किमी0 में क्रैश बैरियर अधिष्ठापन कार्य।	35.64	72000.00	5000.00	2 Months
8	घाघरा– नेतरहाट पथ (SH09) के किमी0 36.00 से 39.00 तक विभिन्न पथांशो में गार्डवाल तथा फ्लैंक मरम्मति कार्य।	49.99	100000.00	5000.00	5 Months

नोट– (1) निविदा आमंत्रण की सूचना एवं शर्तें कार्यालय के सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है, जिसका अनुपालन अनिवार्य है।
(2) प्राक्कलित एवं अग्रधन की राशि घट–बढ़ सकती है, जो कि परिमाण विपत्र बिक्री के समय देखा जा सकता है।
(3) परिमाण विपत्र का मूल्य भारतीय स्टेट बैंक या राष्ट्रीयकृत बैंक ड्राफ्ट के रूप में ही स्वीकार्य होगा, जो निविदा आमंत्रण तिथि के बाद जारी की गई हो तथा किसी भी परिस्थिति में लौटाया नहीं जाएगा एवं बैंक ड्राफ्ट कार्यपालक अभियंता, पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमण्डल गुमला के पदनाम से हो एवं जिस संवेदक के नाम से निबंधन है उन्ही का बैंक ड्राफ्ट स्वीकार किया जाएगा।
(4) पथ निर्माण विभाग, झारखण्ड सरकार में निबंधित संवेदको के लिए युकेन निबंधन आवश्यक है।
(5) PWD कोड में संशोधन के फलस्वरूप 10 प्रतिशत न्यूनतम दर की अधिसीमा समाप्त कर दी गई है।
(6) साथ ही सम्बन्धित विभागीय परिपत्र/ अधिसूचना मान्य होगी।

ह0/–
कार्यपालक अभियन्ता,
प0नि0वि0 पथ प्रमण्डल, गुमला
PR 387009 (Road)26-27*D

कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग
(भूमि संरक्षण निदेशालय),झारखण्ड, राँची
कार्यालय - भूमि संरक्षण पदाधिकारी, खूँटी

वित्तीय वर्ष 2026–27 में डीप बोरिंग एवं परकोलेशन टैंक के निर्माण के लिए "जलनिधि" नामक योजना

झारखण्ड राज्य योजनान्तर्गत कृषि को बढ़ावा देने, बहुफसलीय कृषि के विकास, मानसून पर कृषकों की निर्भरता कम करने हेतु विभिन्न स्रोतों से सिंचाई की समुचित व्यवस्था हेतु वित्तीय वर्ष 2026–27 में "जलनिधि" योजनान्तर्गत विशेष सिंचाई सुविधा अंतर्गत विभागीय राज्यादेश सं0–44 दिनांक 05.08.2026 के आलोक में डीप बोरिंग एवं परकोलेशन टैंक के लिए आवेदन आमंत्रित किये जाते हैं, जिसकी शर्तें निम्नवत है –

योजना का स्वरूप

(I) डीप बोरिंग की योजना

कार्य योजना	पात्रता	अनुदान की राशि: अनुमानित योजना लागत प्रति ईकाई	अधिकतम अनुदान की राशि	पानी पंचायत अंशदान की राशि
योजना अन्तर्गत 6 ईंच Diameter deep boring submersible pump 1.5 H.P, आवश्यक Accessories एवं संस्थापन (Installation) के साथ	योजना लघु एवं सीमान्त कृषक समूहों के लिए लागू होगा। विभागीय मार्गदर्शन के आलोक में विधिवत् पानी पंचायत का गठन कर इसका कार्यान्वयन कराया जायेगा। समिति के सदस्यों के पास कलस्टर में न्यूनतम 5 एकड़ भूमि होना अनिवार्य होगा।	3.50 लाख	90 प्रतिशत (3.15 लाख)	10 प्रतिशत (0.35 लाख)

(ii)परकोलेशन टैंक (मध्यम एवं निचले खेत में तालाब) की योजना

कार्य योजना	पात्रता	अनुदान की राशि: अनुमानित योजना लागत प्रति ईकाई	अधिकतम अनुदान की राशि	पानी पंचायत अंशदान की राशि
Length of Percolation Tank – 120 ft. Width of Percolation Tank – 100 ft. Depth of Percolation Tank – 12 ft. Length of Bound – 370 ft Side Slope – 1:1	योजना लघु एवं सीमान्त कृषक समूहों के लिए लागू होगा। विभागीय मार्गदर्शन के आलोक में विधिवत् पानी पंचायत का गठन कर इसका कार्यान्वयन कराया जायेगा। समिति के सदस्यों के पास कलस्टर में न्यूनतम 10 एकड़ भूमि होना अनिवार्य होगा।	4.30 लाख	90 प्रतिशत (3.87 लाख)	10 प्रतिशत (0.43 लाख)

डीप बोरिंग एवं परकोलेशन टैंक के लिए आवेदन–पत्र जमा करने की अंतिम तिथि 25.08.2026 है।

कृषक/संस्था का चयन
(i) अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/लघु/सीमांत कृषक/महिला कृषकों/इच्छुक कृषकों का चयन प्राथमिकता के आधार पर किया जायेगा एवं पूर्व में जमा किये हुए आवेदन–पत्र एवं जिनके द्वारा पूर्व में पानी पंचायत का गठन कर कृषक अंशदान की राशि खाते में जमा करा दी गयी उनको प्राथमिकता दी जायेगी।
(ii) जिन कृषकों को पूर्व में डीप बोरिंग, सिंचाई पम्प का लाभ प्राप्त कराया जा चुका है, उनकी पात्रता "जलनिधि योजना" के लिए मान्य नहीं होगी।
(iii) योजना के कार्यान्वयन में त्रिस्तरीय पंचायती राज व्यवस्था की सहभागिता सुनिश्चित की जायेगी एवं ग्राम सभा द्वारा चयनित योजनाओं तथा माननीय स्थानीय विधायक की अनुशंसा को प्राथमिकता दी जायेगी।

आवेदन की प्राप्ति
(i) भूमि संरक्षण पदाधिकारी, खूँटी, जिला – खूँटी के लिए निर्धारित लक्ष्य के विरुद्ध सुपात्र कृषकों से विहित प्रपत्र–I में आवेदन प्राप्त किया जाएगा।
(ii) आवेदन–पत्र भूमि संरक्षण कार्यालय खूँटी से निःशुल्क प्राप्त किया जा सकता है।
(iii) आवेदन–पत्र निम्न कागजातों के साथ भूमि संरक्षण कार्यालय, खूँटी में जमा लिया जायेगा।
1. संबंधित योजना ग्राम–सभा में पारित होनी चाहिए एवं पारित प्रस्ताव की छायाप्रति मुखिया द्वारा अभिप्रमाणित।
2. पानी–पंचायत गठित कर, रजिस्टर की छायाप्रति (क्षेत्रीय कर्मचारी/पदाधिकारी की उपस्थिति में) एवं पानी–पंचायत के गठन की फोटोग्राफी।
3. पानी–पंचायत का राष्ट्रीयकृत बैंक में बचत खाता खोलकर कृषक–अंशदान की राशि के साथ बचत खाता की छायाप्रति। (चयनित अध्यक्ष एवं सचिव का संयुक्त खाता)
4. लाभान्वित कृषकों की सूची विहित प्रपत्र में। (मूल प्रति)
5. गाँव के नक्शे पर संबंधित योजना को चिन्हित कर नक्शे की छायाप्रति।
6. जमीन का अद्यतन रसीद एवं पहचान–पत्र (आधार कार्ड की छायाप्रति)।
7. योजना स्थल का कार्य प्रारम्भ से पूर्व का Geo-Tag लाभुक के साथ रंगीन फोटोग्राफ।
8. अपूर्ण कागजात के साथ प्राप्त आवेदन को स्वीकार नहीं किया जायेगा।

उक्त योजना से संबंधित अन्य जानकारियों के लिए निम्न पते पर संपर्क किया जा सकता है।
कार्यालय का पता – भूमि संरक्षण पदाधिकारी, खूँटी
संयुक्त कृषि भवन खूँटी
भूमि संरक्षण पदाधिकारी,
खूँटी
PR 387068 Agriculture(26-27).D

मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

सांध्य दैनिक

रांची, रविवार, 9 अगस्त 2026

संवत 2083, श्रावण कृष्ण 9 मूल्य-3 रुपये

वर्ष-9, अंक 326, पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 ▶▶ विश्व आदिवासी दिवस

फरहाना भट्ट ने रोहित शेट्टी को बताया मजबूत सपोर्ट ◀◀ 6

जेपीएससी-जेएसएससी विवादः सरकार-छात्रों की बैठक शुरू

'हम सकारात्मक सोच के साथ जा रहे हैं'

संवाददाता

रांचीः जेपीएससी में कथित धांधली के खिलाफ आंदोलन कर रहे छात्रों के प्रतिनिधियों और राज्य सरकार के बीच बैठक शुरू हो गई है। सरकार छात्र संगठनों के तीन गुटों देवेंद्रनाथ गुट, छात्र संघ गुट और आईसा गुट के साथ अलग-अलग वार्ता कर रही है।

प्रतिनिधिमंडल के एक सदस्य ने कहा कि हम सकारात्मक सोच के साथ बैठक में जा रहे हैं। हमें उम्मीद है कि हमारी मांगों पर सरकार सकारात्मक फैसला लेगी। अगर हमारी बात नहीं सुनी गई, तो कल के लिए हमारी तैयारियां पूरी हैं।

जेपीएससी- जेएसएससी विवाद पर छात्रों का अल्टीमेटम, मांगें नहीं मानीं तो कल करेंगे विधानसभा घेराव

रांचीः झारखंड लोक सेवा आयोग और झारखंड कर्मचारी चयन आयोग की भर्ती परीक्षाओं में गड़बड़ी और धांधली के आरोपों को लेकर छात्रों का विरोध प्रदर्शन अब और तेज हो गया है। आंदोलन का नेतृत्व कर रहे छात्र नेता रवींद्र पासवान ने राज्य सरकार पर छात्रों की एकता को तोड़ने और उन्हें भटकाने का आरोप लगाया है। उन्होंने साफ अल्टीमेटम दिया है कि अगर उनकी मांगें पूरी नहीं हुईं, तो 10 अगस्त को पूरे राज्य के छात्र मिलकर विधानसभा का घेराव करेंगे।

सरकार पर आंदोलन को बांटने का आरोपः जेपीएससी-जेएसएससी सुधार मंच के नेता रवींद्र पासवान ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि छात्र पिछले 15 दिनों से लगातार धरने और भूख हड़ताल पर डटे हुए हैं। शुक्रवार को सरकार के प्रतिनिधियों के साथ पहले दौर की बातचीत में छात्रों ने पूरे सबूतों और तर्कों के साथ अपनी बात रखी थी। सरकारी टीम ने भरोसा दिया था कि वे ये सारी बातें मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन तक पहुंचाएंगे। लेकिन पासवान का आरोप है कि सरकार दूसरे संगठनों से अलग-अलग बात करके इस आंदोलन को 2-3 हिस्सों में बांटने की कोशिश कर रही है।

10 अगस्त को बड़े स्तर पर जुटने की तैयारीः छात्र नेताओं ने झारखंड के सभी युवाओं से एकजुट रहने की अपील की है। छात्र नेता शीतल तिर्की और रवींद्र पासवान का कहना है कि 10 अगस्त का विधानसभा मार्च बहुत अहम और निर्णायक होने वाला है, जिसमें पूरे राज्य से करीब 50 हजार से 1 लाख छात्र शामिल होंगे। इस बीच, केंद्रीय मंत्री संजय सेठ और झारखंड बीजेपी अध्यक्ष आदित्य साहू ने भी जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम जाकर प्रदर्शन कर रहे छात्रों से मुलाकात की।

ईरान-ओमान डील नहीं, अमेरिका शर्तें माने तभी खुलेगा होर्मुज, आईआरजीसी की ट्रंप प्रशासन को दो टूक

,एजेंसी/ तेहरानः ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने होर्मुज जलडमरूमध्य को खोलने को लेकर अमेरिका को चेतावनी दी है। आईआरजीसी ने कहा है कि ईरान-ओमान समझौते से होर्मुज जलडमरूमध्य नहीं खुलने वाला है। इसके लिए अमेरिका को ईरान की सभी शर्तें माननी होंगी। इसे अमेरिका के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है, जो पिछले कई दिनों से इस समझौते का इंतजार कर रहा है। अमेरिका इस समझौते के बाद होर्मुज जलडमरूमध्य के खुलने का भी दावा कर रहा है।

प्रवक्ता ने आगे कहा कि इस जलमार्ग को खोलना इस बात पर निर्भर करता है कि अमेरिका ईरान की शर्तों को पूरी तरह माने और क्षेत्रीय बातचीत में दखल देना बंद करे। उन्होंने कहा कि जब भी अमेरिका ईरान की शर्तों को मान लेगा, होर्मुज जलडमरूमध्य निश्चित रूप से खुल जाएगा।

ईरान-ओमान समझौते से नहीं खुलेगा होर्मुजः ईरान की सरकारी समाचार एजेंसी तस्नीम की रिपोर्ट के अनुसार, ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) के प्रवक्ता सरदार मोहेबी का कहना है कि होर्मुज जलडमरूमध्य को खोलना ईरान की खास प्रक्रियाओं और शर्तों पर निर्भर है, और इसका ओमान के साथ चल रही बातचीत से कोई लेना-देना नहीं है। मोहेबी ने बताया कि हमारे लिए, होर्मुज जलडमरूमध्य सिर्फ व्यापार का रास्ता नहीं है, बल्कि यह भौगोलिक और रणनीतिक ताकत का एक हिस्सा है।

छात्रों के समर्थन में जयराम महतो का निर्जला उपवास, कल के विधानसभा मार्च में होंगे शामिल

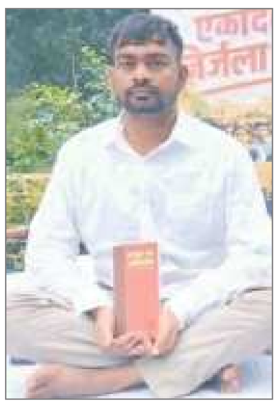

मेट्रो रेज

रांचीः जेएलकेएम सुप्रीमो और डुमरी विधायक जयराम महतो रविवार को जेपीएससी-जेएसएससी में कथित भ्रष्टाचार के खिलाफ चल रहे छात्र आंदोलन के समर्थन में पुराने विधानसभा परिसर में एक दिवसीय निर्जला उपवास पर बैठे।

जयराम महतो ने कहा कि छात्र लंबे समय से अपनी मांगों को लेकर आंदोलन कर रहे हैं। सरकार को उनकी मांगों पर गंभीरता से विचार कर जल्द सकारात्मक फैसला लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि 10 अगस्त को प्रस्तावित विधानसभा मार्च में वह खुद शामिल होंगे। जेएलकेएम ने भी मार्च को समर्थन देने का ऐलान किया है।

अज्ञात वाहन की टक्कर से घायल युवक की मौत, परिजनों ने दर्ज कराई प्राथमिकी

मेट्रोरेज संवाददाता.

हुसैनाबाद/पलामूः हुसैनाबाद थाना क्षेत्र के बरवाडीह गांव के समीप अज्ञात वाहन की टक्कर से घायल युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई। मामले में दंगवार निवासी मृतक के भाई जितेंद्र कुमार सोनी ने हुसैनाबाद थाना में अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराते हुए कार्रवाई की मांग की है।

दर्ज प्राथमिकी के अनुसार, जितेंद्र कुमार सोनी ने बताया कि उनके बड़े भाई महावीर सोनी (करीब 37 वर्ष) 28 जुलाई 2026 की शाम करीब 7:30 बजे जपला से मोटरसाइकिल से अपने गांव दंगवार लौट रहे थे। बरवाडीह पहुंचने के बाद मोटरसाइकिल में तेल खत्म हो गया। इसके बाद वह बाइक खड़ी कर तेल लेने पैदल दंगवार की ओर जाने लगे। इसी दौरान पीछे से आ रहे अज्ञात वाहन ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी।

हादसे में महावीर सोनी सड़क किनारे गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की सूचना राहगीर के माध्यम से परिजनों को मिली। परिजन तत्काल उन्हें अनुमंडलीय अस्पताल हुसैनाबाद ले गए, जहां प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए बाहर रेफर कर दिया गया।

इसके बाद घायल महावीर का इलाज वाराणसी स्थित एक निजी अस्पताल में कराया जा रहा था। प्राथमिकी में बताया गया है कि 2 अगस्त को स्थिति बिगड़ने पर अस्पताल ने उन्हें रेफर कर दिया। आर्थिक स्थिति खराब होने के कारण परिजन उन्हें वापस हुसैनाबाद अनुमंडलीय अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सक ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया।मृतक के भाई ने पुलिस से पूरे मामले की जांच कर अज्ञात वाहन एवं उसके चालक की पहचान कर कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। गत 8 अगस्त 2026 को प्राथमिकी में अज्ञात आरोपी के विरुद्ध मामला दर्ज किया गया है।

अब अगले साल होंगे बाबा अमरनाथ के दर्शन, 20 दिन पहले यात्रा पर लगी रोक

जम्मूः बाबा अमरनाथ यात्रा को रविवार यानी नौ अगस्त से पहलगाम और बालटाल, दोनों मार्गों पर अस्थायी रूप से स्थगित कर दिया गया है। यात्रा मार्ग को श्रद्धालुओं की आवाजाही के लिए सुरक्षित और सुगम बनाने के उद्देश्य से यह फैसला लिया गया है।

इस वर्ष 3 जुलाई से शुरू हुई 57 दिवसीय पवित्र श्री अमरनाथ जी यात्रा का समापन 28 अगस्त 2026 को पवित्र छड़ी मुबारक के पूजन और आगमन के साथ होगा। अब तक 4.8 लाख से ज्यादा श्रद्धालु पवित्र गुफा के दर्शन कर चुके हैं।

पंजाब में दर्दनाक हादसा

तेज रफ्तार कार ने कांवड़ियों को कुचला, 3 की मौके पर मौत,1 घायल

फतेहगढ़ साहिब : तेज रफ्तार कार का कहर देखने को मिला, जहां कार ने 4 कांवड़ियों को कुचल दिया, जिससे 3 की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 1 की हालत गंभीर बनी हुई है। ये सभी शिवरात्रि के लिए गंगोत्री से गंगाजल की डाक कांवड़ लेकर फरीदकोट लौट रहे थे। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है।

हादसा सरहिंद-मंडी गोबिंदगढ़ के बीच हाईवे पर हुआ। सभी मृतक कोटकपूरा के रहने वाले हैं। इसमें डॉक्टर हरपाल गली निवासी जगदीश मित्तल (40), हरीनौ रोड निवासी महेंद्र पाल (43) और सुरगापुरी निवासी दीपक कुमार(42) शामिल हैं। जबकि गंभीर घायल कोटकपूरा के सरकारी गर्ल स्कूल के पास रहने वाले मुकेश गोयल को अस्पताल भर्ती करवाया गया है।

जानकारी के अनुसार, यह कांवड़िए कोटकपूरा से दो अलग-अलग कांवड़ संघों के साथ गंगोत्री से डाक कांवड़ लाने के लिए रवाना हुए थे। 30 जुलाई को वे गंगोत्री के लिए रवाना हुए थे और 10 अगस्त, सोमवार को कांवड़ लेकर कोटकपूरा वापस लौटना था। कोटकपूरा के प्राचीन डेरा दूधाधारी से शिव त्रिलोकी नाथ कांवड़ संघ तथा श्री रामबाग मंदिर से न्यू शिव कांवड़ संघ के जत्थे गंगोत्री से डाक कांवड़ लाने के लिए रवाना हुए थे। इसी दौरान वापसी के समय यह हादसा हो गया।

अनियंत्रित वाहन ने मॉर्निंग वॉक पर निकली 3 महिलाओं को कुचला, सभी की मौके पर मौत

मधुबनी : बिहार के मधुबनी जिले के बेनीपट्टी थाना क्षेत्र में रविवार सुबह सड़क हादसे में तीन महिलाओं की मौत हो गई। हादसा बेनीपट्टी स्टेट हाईवे पर जगदंबा पेट्रोल पंप के पास उस समय हुआ, जब महिलाएं मॉर्निंग वॉक के बाद घर लौट रही थीं।

इसी दौरान एक अनियंत्रित अज्ञात वाहन ने उन्हें कुचल दिया। हादसे में तीनों महिलाओं की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों की पहचान धकजरी गांव के नवटोली निवासी रीता देवी (42), किरण देवी (40) और फूलदाई देवी (70) के रूप में हुई है।

जानकारी के अनुसार, कुछ महिलाओं का एक समूह रोजाना की तरह रविवार सुबह भी मॉर्निंग वॉक के लिए निकला था। करीब छह बजे मॉर्निंग वॉक के बाद महिलाएं घर लौट रही थीं। बताया जा रहा है कि जगदंबा पेट्रोल पंप के पास सड़क किनारे कुछ महिलाएं थककर बैठ गई थीं। इसी दौरान रहिका से बेनीपट्टी की ओर जा रहे एक काले रंग के अज्ञात वाहन ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया।

टक्कर इतनी जोरदार थी कि तीन महिलाओं को संभलने तक का मौका नहीं मिला और उनकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही बेनीपट्टी और अरेर थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। घटना के बाद स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश फैल गया और आक्रोशित लोगों ने सड़क जाम कर दिया।

एयर इंडिया फ्लाइट टर्बुलेंस मामले में नया मोड़

डोप टेस्ट में पॉजिटिव मिला एक पायलट दोनों पायलटों को ड्यूटी से हटाया गया

नई दिल्ली (एजेंसी) फुकेत से नई दिल्ली आ रही एयर इंडिया की फ्लाइट (एआई2379) में हवा में अचानक आई तेज टर्बुलेंस और विमान के अचानक नीचे गिरने की घटना में एक नया मोड़ सामने आया है। सूत्रों के मुताबिक, इस उड़ान को संचालित करने वाले दो पायलटों में से एक पायलट 'डोप टेस्ट' में विफल पाया गया है। सूत्रों ने यह भी पुष्टि की कि मामले की जांच पूरी होने तक दोनों पायलटों को ड्यूटी से हटा दिया गया है।

इस मौके पर नागरिक उड्डयन मंत्रालय के एक अन्य उच्च पदस्थ सूत्र ने बताया कि इस घटना की जांच देश के शीर्ष विमानन निगरानीकर्ता, नागरिक उड्डयन महानिदेशालय द्वारा की जा रही है और कहा कि इसके परिणाम को यह तय करने के लिए ध्यान में रखा जाएगा कि मामले को विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो द्वारा आगे की जांच की आवश्यकता है या नहीं। वहीं एयर इंडिया ने कहा कि वह टिप्पणी करने की स्थिति में नहीं है क्योंकि उड़ान के बाद दवा की जांच के निष्कर्ष उसके साथ साझा नहीं किए गए हैं। एयरलाइन के एक प्रवक्ता ने कहा, हम जानते हैं कि लागू प्रोटोकॉल के अनुसार पायलटों पर उड़ान के बाद स्क्रीनिंग परीक्षण किया गया था। हालांकि परीक्षण के नतीजे एयर इंडिया के साथ साझा नहीं किए गए हैं और इसलिए हम किसी भी निष्कर्ष पर टिप्पणी करने की स्थिति में नहीं हैं। बयान में कहा गया है, एयर इंडिया किसी विशिष्ट उड़ान या परिचालन घटना से स्वतंत्र, नागरिक उड्डयन नियमों के अनुपालन में चालक दल के सदस्यों का नियमित दवा परीक्षण करता है। हम आवश्यकतानुसार संबंधित अधिकारियों के साथ सहयोग करना जारी रखेंगे।

बता दें कि ऐसा कुछ दिनों बाद हुआ है जब फुकेत से नई दिल्ली के लिए उड़ान भरने वाले एयर इंडिया अ320 विमान अक2379 को अपनी यात्रा के दौरान गंभीर अशांति का सामना करना पड़ा था जिसमें चार केबिन क्रू सदस्यों सहित कम से कम 17 लोग घायल हो गए थे। यह घटना 5 अगस्त की है।

मेंटल हेल्थ को बूस्ट करने में मददगार है अरोमाथेरेपी

आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में फिजिकल हेल्थ खराब होने के साथ ही मेंटल हेल्थ पर भी काफी असर पड़ रहा है। हर दूसरा बंदा काम के बोझ के तले इतना दब गया है कि उसे अपने लिए टाइम ही नहीं है। तनाव के कारण एंग्जाइटी और डिप्रेशन जैसी दिक्कत होने लगी है। लोगों की नींद प्रभावित हो रही है, फोकस करने में परेशानी आती है। अगर आप भी इस तरह की परेशानी होती है तो आप मेंटल हेल्थ को बूस्ट करने के लिए अरोमाथेरेपी का सहारा ले सकते हैं।

क्या होती है अरोमाथेरेपी

अरोमाथेरेपी जैसा की इसके नाम से मालूम चल रहा है अरोमा मतलब खुशबू और थेरेपी मतलब इलाज,खुशबू की मदद से इलाज करने को ही हम अरोमाथेरेपी कहते हैं । यह मानसिक तनाव का इलाज करने का सबसे कारगर तरीका है। एसेंशियल ऑयल्स इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं,यह तेल पौधों,जड़ी बूटियों फूलों,पंखुड़ियों जैसी चीजों से निकाले जाते हैं।

मेंटल हेल्थ को कैसे बूस्ट करता है अरोमाथेरेपी

एक्सपर्ट के मुताबिक लैवेंडर कैमोमाइल जैसे एसेंशियल ऑयल्स में शांत करने वाले गुण होते हैं जो तनाव और चिंता को कम करने में मदद करते हैं,इससे बेहतर नींद को बढ़ावा मिलता है और जब आप सुकून भरी नींद सोते हैं तो इससे मस्तिष्क के सेल्स रिपेयर होते हैं । एसेंशियल ऑयल्स की खुशबू लेने से कोर्टिसोल का स्तर कम हो सकता है,जो तनाव के लिए जिम्मेदार हार्मोन होता है,जब आपका कोर्टिसोल हार्मोनकम होता है तो आपको सुकून भरी नींद आती है इससे मेंटल हेल्थ बूस्ट होता है। एसेंशियल ऑयल्स मूड पर पर सकारात्मक प्रभाव डाल सकते हैं,अवसाद की भावनाओं को कम कर देवदार की लकड़ी और चंदन जैसी सुगंध गहरी, अधिक आरामदायक नींद चक्र को बढ़ावा देकर नींद की गुणवत्ता को बढ़ा सकती है। क्लैरी सेज जैसे एसेंशियल ऑयल नींद को नियंत्रित करने वाले हार्मोन को संतुलित करने में मदद कर सकते हैं जिससे नींद का पैटर्न सही हो जाता है। अच्छी खुशबू वाला कमरा एक शांत और आरामदायक वातावरण बनाता है जिससे आराम करना और नींद आना आसान हो जाता है।

काफी गंभीर हो सकते हैं किडनी में बीमारी के ये लक्षण

स्किन और नाखूनों से ये दिखाई देता है कि हमारी किडनी में किस तरह की बीमारी होने जा रही है। आपको ये ध्यान रखना चाहिए कि किडनी के लक्षण काफी गंभीर हो सकते हैं।

हमारा शरीर आने वाले हर खतरे का संकेत पहले से ही देने लगता है। शरीर में अगर कोई बड़ी समस्या होने वाली है तो उससे पहले छोटी-छोटी चीज़ों से हमें कुछ न कुछ संकेत मिलते रहते हैं। शरीर का कोई भी बड़ा ऑर्गेन खराब हो रहा हो तो कई बार हमें स्किन और बालों के जरिए भी उसके संकेत मिलने लगते हैं। ऐसा ही किडनी की बीमारी के साथ भी होता है। किडनी की बीमारी होने से पहले स्किन पर कई तरह के बदलाव देखने को मिलते हैं। यहां सिर्फ बालों का झड़ना या फिर हेयर लाइन शुरू होते ही फ्लेकी स्किन नहीं बल्कि नाखूनों, पैरों, हाथों आदि पर भी असर दिखता है और आपको ये ध्यान रखना चाहिए कि अगर ऐसे कोई लक्षण दिख रहे हैं तो आपको एक्सपर्ट की सलाह लेनी चाहिए। पर आखिर कौन से संकेत हैं जो साफ दिखाई देते हैं।

किडनी की बीमारी के समय शरीर में होती है ये समस्या

स्किन, बाल और नाखून हमारी सेहत को लेकर बहुत ही जरूरी संकेत देते हैं। कोई भी छुपी हुई बीमारी जैसे मालन्यूट्रीशन, माइक्रोन्यूट्रिएंट्स का ओवरडोज, दवाओं का असर या बीमारी आदि के संकेत इन दोनों से मिल जाते हैं। जिन लोगों को किडनी की बीमारी या किडनी फेलियर का रिस्क होता है उन्हें जिंक, कैल्शियम, आयरन, विटामिन क्जैसे मिनरल्स दिए जाते हैं। जिन मरीज़ों को डायलेसिस की जरूरत होती है उन्हें इन मिनरल्स की कमी के लिए रीनल विटामिन्स दिए जाते हैं जिनमें विटामिन क्कॉम्प्लेक्स के हाई लेवल होते हैं। कैल्शियम और आयरन को ब्लड लेवल में मॉनिटर किया जाता है और अगर ये लेवल कम होते हैं तो सप्लिमेंट्स उसी हिसाब से दिए जाते हैं।

किडनी की बीमारी के कारण स्किन पर दिखते हैं ये असर

किडनी की बीमारी के कारण शरीर में टॉक्सिन्स काफी बढ़ जाते हैं और इसके कारण स्किन में नाइट्रोजन भी बढ़ जाता है। स्किन बहुत ड्राई, खुजली वाली हो जाती है। इसी के साथ, स्किन में क्रैक्स, स्केल्स आदि बनने लगते हैं। स्किन काफी पतली हो जाती है और बहुत आसानी से स्ट्रेच मार्क्स भी आ जाते हैं जो कच्चे होते हैं और खुजली वाले भी होते हैं। इनमें आसानी से ब्लीडिंग होने लगती है। स्किन ज्यादा सफेद दिखने लगती है और इसका रंग भी ग्रे, ब्लू, पर्पल या येलो शेड का हो जाता है। सिस्ट्स और स्पॉट्स भी दिख सकते हैं।

हाथ और पैरों में आ जाती है बहुत ज्यादा सूजन

हाथों और पैरों में सूजन, चेहरे में सूजन, ऐड़ियों में सूजन आना बहुत ही आम लक्षण है जिसे लेकर आपको तुरंत डॉक्टर से सलाह लेनी चाहिए। शरीर से टॉक्सिन्स ठीक तरह से बाहर न निकल पाने के कारण ये होता है और आपको इस बात का ध्यान भी रखना चाहिए कि ऐसा लक्षण गंभीर समस्या की तरफ इशारा करता है इसलिए डॉक्टर से सलाह लें।

किडनी की बीमारी के कारण नाखूनों पर दिखते हैं ये असर

नाखूनों पर भी किडनी की बीमारी का असर साफ दिखाई देता है। सफेद बैंड्स या स्पॉट्स नाखूनों पर बनने लगते हैं और ये कमजोर, कच्चे और फ्लेकी हो जाते हैं। अक्सर ऐसे नाखूनों के बीच में लाइन बनने लगती है। हमारे नाखून कई और बीमारियों के संकेत भी देते हैं और ऐसे में हमें ये ध्यान रखना चाहिए कि हम ऐसे कोई भी लक्षण के दिखने पर डॉक्टर से बात करनी चाहिए।

स्किन पर दाने और रैशेज

जैसा कि हम पहले बता चुके हैं कि किडनी की बीमारी के कारण शरीर में टॉक्सिन बहुत ज्यादा इकट्ठा हो जाता है और ये रैशेज, बंप्स, ब्लीडिंग वाली स्ट्रेचमार्क्स आदि का कारण बनता है ऐसे में आप शरीर में कई तरह के मिनरल्स आदि का टेस्ट करवा सकते हैं। ये सारे लक्षण किसी अन्य वजह से भी हो सकते हैं, लेकिन ऐसा भी हो सकता है कि ये सिर्फ और सिर्फ किडनी के कारण हों। आपको ये ध्यान रखना होगा कि अगर आपको कोई समस्या हो रही है तो एक्सपर्ट की सलाह लेना ही किसी गंभीर रोग से मुक्ति का अच्छा कारण हो सकता है। अपने स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही न दिखाएं और डॉक्टर से सलाह लेते रहें।

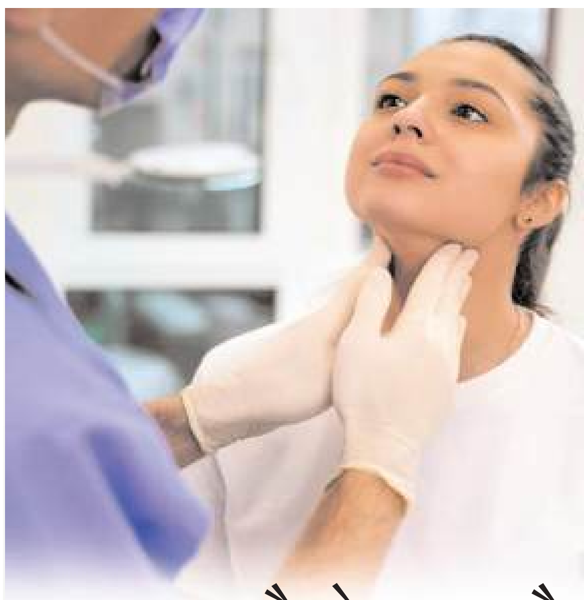

थायराइड कैसे करता है हार्ट हेल्थ को प्रभावित

आजकल थायराइड की बीमारी काफी आम हो चुकी है। थायराइड रोग वह स्थिति है जिसमें थायराइड ग्लैंड शरीर की जरूरत से कम या अधिक हार्मोन का निर्माण करने लगता है जिसके कारण कई सारी समस्याएं पैदा होती है। थायराइड के कारण जहां मोटापा हेयर फॉल , जोड़ों में दर्द जैसी समस्या होती है वहीं यह दिल की सेहत को भी बुरी तरह से प्रभावित करता है। इसको लेकर हमने एक्सपर्ट से बात की है। आइए जानते हैं थायराइड कैसे दिल की बीमारियों का खतरा बढ़ा देता है।

कैसे करता है हार्ट हेल्थ को प्रभावित

एक्सपर्ट बताती हैं की दोनों ही थायराइड हार्ट हेल्थ को प्रभावित करता है। हाइपोथायरायडिज्म की बात करें तो इसमें थायराइड हार्मोन का लेवल शरीर में कम हो जाता है,इससे थायराइड ग्लैंड का फंक्शन कम होने लगता है,इससे मेटाबॉलिज्म खराब हो जाता है,इससे दिल को नुकसान हो सकता है जैसे इससे हार्ट रेट स्लो हो जाता है,इससे आपको ब्रेडीकार्डिया की स्थिति पैदा हो जाती है। इससे कोलेस्ट्रॉल भी बढ़ सकता है,इसके कारण हृदय का फैलाव हो सकता है। इससे दिल का दौरा पड़ सकता है।थायराइड बढ़ने से हार्ट की धमनियां संकरी होने लगती है,इससे ब्लड का सर्कुलेशन ठीक ढंग से नहीं हो पाता है,लंबे समय तक यह स्थिति बनी रहने पर हार्ट अटैक आने का खतरा बना रहता है। हाइपरथायरायडिज्म में आपका थायराइड ग्लैंड ओवर एक्टिव हो जाता है इससे हाइपर मेटाबॉलिज्म होता है जिससे हार्ट रेट बढ़ सकता है,इससे ट्रैकी कार्डिया की स्थिति पैदा हो सकती है। इस स्थिति में भी हार्ट का फैलाव हो जाता है। ब्लड प्रेशर बढ़ जाता है और इस तरह से हार्ट को नुकसान पहुंचता है।

गंभीर डिसऑर्डर की तरफ इशारा करती है हर वक्त कच्चा बर्फ खाने की इच्छा

क्या आपको भी हर वक्त कच्चा बर्फ चबाने का दिल करता है। अगर हां तो आपको फौरन डॉक्टर से मिलना चाहिए क्योंकि यह एक गंभीर डिसऑर्डर की तरफ इशारा करता है।

गर्मियों के मौसम में हर किसी को कुछ ना कुछ ठंडा खाने का मन करता है। ठंडा पानी तो हर कोई पीता है, लेकिन आइसक्रीम मिल जाए तो सोने पर सुहागा हो जाता है। गर्मी से राहत पाने के लिए कुछ लोग तो घर में रखे आइस क्यूब भी खाते हैं। लेकिन अगर आप बार-बार कच्ची बर्फ चबाते हैं तो इसे इग्नोर ना करें। दरअसल आपकी यह आदत किसी बीमारी की तरफ इशारा करती है। आइए जानते हैं बार-बार बर्फ खाने का मन क्यों करता है।

क्या आपको भी बार-बार बर्फ खाने का मन करता है आपको भी बार-बार बर्फ खाने की क्रेविंग होती है तो शायद आप पिका डिसऑर्डर से पीड़ित हैं। वैसे तो यह बच्चों या गर्भवती महिलाओं में होता है, लेकिन अगर आप में आयरन की कमी हो तो भी आपको इसकी क्रेविंग हो सकती है। एक्सपर्ट बताते हैं कि एनीमिया से पीड़ित लोगों में रेड ब्लड सेल्स की कमी हो जाती है ऐसे में लोगों को बर्फ खाने की इच्छा बढ़ जाती है। वहीं जो लोग मानसिक तनाव से गुजर रहे होते हैं उन्हें भी बर्फ खाने की क्रेविंग होती है। अगर यह क्रेविंग लंबे समय तक बनी हुई है तो आपको तुरंत डॉक्टर से मिलकर इसका इलाज करवाना चाहिए।

क्या हैं इसके नुकसान

- दांतों में दर्द, बर्फ आपके दांत की इनेमल की परत को डैमेज कर सकती है।
- एनीमिया की गंभीर समस्या,इसके कारण हार्ट हेल्थ को नुकसान पहुंचता है।
- पेट में इंफेक्शन और कब्ज की समस्या

विश्व आदिवासी दिवस

विश्व आदिवासी दिवस आदिवासी आबादी के अधिकारों को बढ़ावा देने और उनकी सुरक्षा के लिए प्रत्येक वर्ष 9 अगस्त को विश्व के आदिवासी लोगों का अंतर्राष्ट्रीय दिवस मनाया जाता है। यह घटना उन उपलब्धियों और योगदानों को भी स्वीकार करती है जो आदिवासी लोग पर्यावरण संरक्षण जैसे विश्व के मुद्दों को बेहतर बनाने के लिए करते हैं। यह पहली बार संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा दिसंबर 1994 में घोषित किया गया था, 1982 में मानव अधिकारों के संवर्धन और संरक्षण पर संयुक्त राष्ट्र कार्य समूह की आदिवासी आबादी पर संयुक्त राष्ट्र कार्य समूह की पहली बैठक का दिन। खासकर, इसे भारत के आदिवासियों द्वारा धूम धाम से मनाया जाता है, जिसमें रास्तों पर रैली निकाली और मंच में झमाझम कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। सामाजिक कार्यकर्ता राकेश देवडे. बिरसावादी के अनुसार भारत के अनुसूचित जनजाति के लिए सरकारों द्वारा 09 अगस्त को राष्ट्रीय अवकाश घोषित नहीं किया गया है जो संयुक्त राष्ट्र की अवमानना है। आदिवासी समुदाय अहिंसक निसर्गवादी समुदाय है और अपनी विशेष सांस्कृतिक पहचान के लिए विश्व प्रसिद्ध है।माननीय सुप्रीम कोर्ट ने जनजाति समुदाय को मूल मालिक की संज्ञा दी है। ऐसी स्थिति में समस्त सरकारों को आदिवासी समुदाय की भावनाओं की कद्र करना चाहिए।

इतिहास

विश्व के आदिवासी लोगों का अंतर्राष्ट्रीय दिवस पहली बार संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा दिसंबर 1994 में घोषित किया गया था, जिसे हर साल विश्व के आदिवासी लोगों (1995-2004) के पहले अंतर्राष्ट्रीय दशक के दौरान मनाया जाता है। 2004 में, असेंबली ने र्ए डिकैड फॉर एक्शन एंड डिग्निटीर् की थीम के साथ, 2005-2015 से एक दूसरे अंतर्राष्ट्रीय दशक की घोषणा की। आदिवासी लोगों पर संयुक्त राष्ट्र के संदेश को फैलाने के लिए विभिन्न देशों के लोगों को दिन के अवलोकन में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। गतिविधियों में शैक्षिक मंच और कक्षा की गतिविधियाँ शामिल हो सकती हैं ताकि एक सराहना और आदिवासी लोगों की बेहतर समझ प्राप्त हो सके।23 दिसंबर 1994 के प्रस्ताव 49/214 द्वारा, संयुक्त राष्ट्र महासभा ने निर्णय लिया कि विश्व के आदिवासी लोगों के अंतर्राष्ट्रीय दशक के दौरान अंतर्राष्ट्रीय आदिवासी लोगों का अंतर्राष्ट्रीय दिवस हर साल 9 अगस्त को मनाया जाएगा। पहली बैठक के दिन, 1982 में मानव अधिकारों के संवर्धन और संरक्षण पर संयुक्त राष्ट्र कार्य समूह की आदिवासी आबादी पर अंकन का दिन है।

प्रतीक

बांग्लादेश के एक चकमा लड़के, रेवांग दीवान द्वारा कलाकृति को संयुक्त राष्ट्र स्थायी मुद्दे पर दृश्य पहचानकर्ता के रूप में चुना गया था। यह विश्व के आदिवासी लोगों के अंतर्राष्ट्रीय दिवस को बढ़ावा देने के लिए सामग्री पर भी देखा गया है। यह हरे रंग की पत्तियों के दो कानों को एक दूसरे का सामना करते हुए दिखाई देता है और एक ग्रह पृथ्वी जैसा दिखता है। ग्लोब के भीतर बीच में एक हैंडशेक (दो अलग-अलग हाथ) की तस्वीर है और हैंडशेक के ऊपर एक लैंडस्केप बैकग्राउंड है। हैंडशेक और लैंडस्केप बैकग्राउंड को ग्लोब के भीतर ऊपर और नीचे नीले रंग से समझाया गया है।

कनाडा में उत्सव

विश्व के आदिवासी लोगों के अंतर्राष्ट्रीय दिवस को ऑलिन द्वारा किंग्स्टन, ओंटेरियो में कलाकारों, वक्ताओं, कवियों, कलाकारों और विक्रेताओं और सामुदायिक सेवा बूथों की एक विस्तृत श्रृंखला के साथ सभी देशों के सामुदायिक उत्सव के रूप में मनाया जाता है।

ताइवान में उत्सव

2016 में, राष्ट्रपति साई इंग-वेन के तहत प्रशासन ने एक प्रस्ताव को मंजूरी दी जिसने 1 अगस्त को ताइवान में स्वदेशी पीपुल्स डे के रूप में नामित किया। विशेष दिन के उपलक्ष्य में, राष्ट्रपति साई ने ताइवान के आदिवासी लोगों के लिए एक आधिकारिक माफी जारी की और

कानून को बढ़ावा देने और राष्ट्रपति कार्यालय की स्वदेशी ऐतिहासिक न्याय और संक्रमणकालीन न्याय समिति जैसे आदिवासी कारणों से संबंधित संगठनों को शामिल करने के लिए कदम उठाए। सरकार को उम्मीद है कि यह दिन स्वदेशी लोगों की संस्कृतियों और इतिहास के लिए अधिक सम्मान लाकर और उनके अधिकारों को बढ़ावा देकर ताइवान में विविध जातीय समूहों की जनता को याद दिलाएगा।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।
प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website :**
www.metrorays.in
email : metrorays.ranchi@gmail.com

आदिवासियों की संस्कृति, परंपरा, भाषा और अधिकारों का संरक्षण अनिवार्यः डीसी

✔ सिद्धो-कान्हू सभागार में मनाया गया विश्व आदिवासी दिवस

संवाददाता

साहिबगंजःजिला मुख्यालय स्थित सिद्धो-कान्हू सभागार में रविवार को विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम को उद्घाटन उपायुक्त दीपक कुमार दुबे,वन प्रमंडल पदाधिकारी प्रबल गर्ग, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी सजय दास एवं नगर परिषद अध्यक्ष रामनाथ पासवान ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। इस

अवसर पर उपयुक्त ने कहा कि आदिवासी समाज की समृद्ध संस्कृति, परंपरा, भाषा और अधिकारों के संरक्षण एवं संवर्धन पर विशेष रूप से मनाया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य दुनिया भर के आदिवासी समुदायों के अधिकारों की रक्षा करना उनकी संस्कृति भाषा व परंपराओं का सम्मान करना और उनके सामाजिक एवं आर्थिक उत्थान के प्रति समाज में जागरूकता पैदा करना है। 9 अगस्त को ही क्यों मनाया जाता है विश्व आदिवासी दिवस? संयुक्त राष्ट्र महासभा ने दिसंबर 1994 में प्रस्ताव पारित कर प्रत्येक वर्ष 9 अगस्त को अंतर्राष्ट्रीय विश्व स्वदेशी जन दिवस मनाने की घोषणा की थी। इसके पीछे नौ अगस्त 1992 की वह ऐतिहासिक घटना है।जब संयुक्त राष्ट्र की स्वदेशी आबादी पर कार्य समूह की पहली बैठक आयोजित हुई थी। इसी की स्मृति में नौ अगस्त की तारीख निर्धारित की गई। इस दिवस का उद्देश्य आदिवासी समुदायों के मानवाधिकारों, भूमि, शिक्षा, स्वास्थ्य, संस्कृति और पहचान से जुड़े मुद्दों को वैश्विक स्तर पर सामने लाना तथा उनके संरक्षण और विकास के लिए प्रभावी कदम उठाना है।आदिवासी संस्कृति और प्रकृति का गहरा संबंध विश्व आदिवासी दिवस आदिवासी समाज की अनूठी कला, संगीत, पारंपरिक नृत्य, वेशभूषा और जीवनशैली को सम्मान देने का अवसर भी है। आदिवासी समुदाय सदियों से प्रकृति और पर्यावरण के साथ सामंजस्य स्थापित कर जीवन जीते आए हैं। जंगल, जल और जमीन के संरक्षण में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है।भारत में संथाल, गोंड, भील, मुंडा, उरांव और हो सहित अनेक आदिवासी समुदाय देश की सांस्कृतिक विविधता और विरासत को समृद्ध करते हैं। सांस्कृतिक कार्यक्रमों से मनाया जाता है दिवस विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर विभिन्न स्थानों पर पारंपरिक नृत्य, लोकगीत, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, रैलियां, परिचर्चा एवं गोष्ठियों का आयोजन किया जाता है। साथ ही आदिवासी समाज के अधिकारों और सरकार की कल्याणकारी योजनाओं वन अधिकार एवं शिक्षा-स्वास्थ्य जैसी सुविधाओं को लेकर भी जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। सिद्धो-कान्हू सभागार में आयोजित कार्यक्रम में भी आदिवासी समाज की संस्कृति और परंपराओं को संरक्षित रखने और नई पीढ़ी को अपनी गौरवशाली विरासत से जोड़ने का संदेश दिया गया।इस कार्यक्रम में उपयुक्त वन प्रमंडल पदाधिकारी नगर अध्यक्ष सदर वीडियो जनसंपर्क पदाधिकारी सहित दर्जनों पर अधिकारी व आदिवासी समाज के महिला उपस्थित थे।

प्राथमिक विद्यालय घाट सेलमपुर में हुआ विद्यालय प्रबंधन समिति का पुनर्गठन

कृष्ण कांत कुमार अध्यक्ष व संगीता देवी को उपाध्यक्ष बनाया गया

संवाददाता

साहिबगंज/राजमहलः झारखंड शिक्षा परियोजना रांची के निदेर्शानुसार राजमहल प्रखंड अंतर्गत प्राथमिक विद्यालय घाट सेलमपुर में विद्यालय प्रबंधन समिति का पुनर्गठन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में अभिभावकों की सहभागिता रही।सर्व सम्मति से कृष्ण कांत कुमार को विद्यालय प्रबंधन समिति का अध्यक्ष और संगीता देवी को उपाध्यक्ष चुना गया।समिति के पुनर्गठन की प्रक्रिया प्रखंड संसाधन केंद्र बीआरसी राजमहल द्वारा प्रतिनियुक्त पर्यवेक्षक सह सीआरसी सुबास मरांडी की देखरेख में शांतिपूर्ण एवं पारदर्शी ढंग से संपन्न हुई। इस दौरान समिति के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष के साथ-साथ अन्य सदस्यों का भी चयन किया गया। पर्यवेक्षक ने उपस्थित अभिभावकों को विद्यालय प्रबंधन समिति की भूमिका एवं जिम्मेदारियों की जानकारी देते हुए कहा कि समिति विद्यालय में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, छात्रों की नियमित उपस्थिति, आधारभूत सुविधाओं के विकास तथा विभिन्न सरकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्होंने विद्यालय और अभिभावकों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने पर भी बल दिया। नवनिर्वाचित अध्यक्ष कृष्ण कांत कुमार ने सभी अभिभावकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे विद्यालय के सर्वांगीण विकास, बच्चों की बेहतर शिक्षा और आवश्यक सुविधाओं के विस्तार के लिए सभी सदस्यों व शिक्षकों के साथ मिलकर कार्य करेंगे।मौके पर विद्यालय के प्रधानाध्यापक सुनील कुमार, प्रकाश मंडल, सोनाली देवी प्रीति देवी अंबिका कुमारी गुड्डू मंडल प्रेमलता कुमारी सहित कई अभिभावक एवं ग्रामीण उपस्थित थे।

मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत मतदान केंद्रों पर लगा विशेष शिविर

संवाददाता

साहिबगंजः मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम2026 के तहत दिनांक 08 एवं 09 अगस्त 2026 को जिले के सभी मतदान केंद्रों पर विशेष शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में 03-बरहेट विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी-सह-अपर समाहर्ता, विजय कुमार द्वारा बरहेट प्रखंड अंतर्गत विभिन्न मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान मतदान केंद्र संख्या 171, 172, 184, 185, 186, 187, 190 एवं 192 का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों एवं कर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। उन्होंने मतदान केंद्रों पर उपस्थित मतदाताओं से मतदाता सूची के पुनरीक्षण कार्यक्रम की जानकारी साझा करते हुए पात्र नागरिकों को मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज कराने आवश्यक संशोधन कराने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि 01 अक्टूबर 2026 को 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले पात्र नागरिक नियमानुसार प्रपत्र-6 एवं घोषणा-पत्र के माध्यम से मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज कराने हेतु आवेदन कर सकते हैं। साथ ही, मतदाता सूची में नाम, पता, मोबाइल नंबर अथवा अन्य विवरण में किसी प्रकार की त्रुटि होने पर प्रपत्र-8 के माध्यम से आवश्यक संशोधन कराया जा सकता है। उन्होंने सभी पात्र नागरिकों से विशेष शिविर का लाभ उठाते हुए मतदाता सूची में अपना नाम सुनिश्चित करने एवं त्रुटिपूर्ण प्रविष्टियों का सुधार कराने की अपील की। निरीक्षण के दौरान प्रखंड विकास पदाधिकारी, बरहेट अंशु कुमार पाण्डेय सहित संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

मारपीट मामले में नामजद आरोपी गिरफ्तार, भेजा गया जेल

साहिबगंजःनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत एलसी रोड निवासी कासिम अंसारी के साथ मारपीट कर घायल करने के मामले में पुलिस ने दो नामजद आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। इस संबंध में कासिम अंसारी ने नगर थाना में लिखित आवेदन देकर प्राथमिकी दर्ज कराई थी।प्राथमिकी कांड संख्या 140/26 के तहत दर्ज की गई थी। मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए नामजद आरोपी जहांगीर और परवेज को गिरफ्तार किया। दोनों को पूछताछ के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।नगर थाना प्रभारी अमित गुप्ता ने बताया कि कासिम अंसारी की शिकायत पर कांड संख्या 140/26 दर्ज की गई थी। मामले में दो नामजद आरोपियों की गिरफ्तारी कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

झामुमो नगर कमिटी ने मनाया निर्मल महतो का 49वां शहादत दिवस

संवाददाता

साहिबगंज/बरहरवाःझामुमो नगर कमेटी की ओर से पूर्व केंद्र समिति सदस्य शक्ति नाथ अमन के आवासीय कार्यालय में झामुमो नगर अध्यक्ष धर्मवीर कुमार महतो के नेतृत्व में झार नर्मल महतो का 49वां शहादत दिवस पूरे श्रद्धा और सम्मान के साथ श्रद्धापूर्वक याद किया गया एवं उनकी तस्वीर पर पुष्पार्पण कर श्र७द्धांजलि दी गई।नगर अध्यक्ष धर्मवीर कुमार महतो ने कहा शहिद निर्मल महतो शहादत को नमन करने के साथ-साथ झारखंड में उनके योगदान और संघर्ष को याद किया जाता है।पूर्व केंद्र समिति सदस्य शक्ति नाथ अमन ने कहा कि सही निर्मल महतो का बलिदान झारखंड आंदोलन की नींव है और उनकी शहादत आने वाली पीदिंयों के लिए प्रेरणा का स्रोत है! मौके पर नगर सचिव मोहम्मद इकबाल हुसैन,फिरोज खान, कवलजीत शर्मा,सुशील सेन,वरुण मंडल,मुकेश कुमार,प्रशांत कुमार, सहदेव यादव,मिथुन मंडल,प्रकाश कुमार व अन्य कार्यकर्ता मौजूद थे।

5वीं झारखंड राज्य ओपन जेवलिन थ्रो प्रतियोगिता में जिले के एथलीटों का चमकदार प्रदर्शन

जिले के एथलीटों ने 03 स्वर्ण व 02 रजत पदक पर किया कब्जा

संवाददाता

साहिबगंजः जिला एथलेटिक्स संघ, हजारीबाग एवं झारखंड एथलेटिक्स संघ, रांची के संयुक्त तत्वावधान में 07अगस्त को कर्जन ग्राउंड, हजारीबाग में संपन्न 5वीं झारखंड राज्य ओपन जेवलिन थ्रो प्रतियोगिता में जिले के एथलीटों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 03 स्वर्ण 02 रजत पदक जीता। जिसमें जिले के सिध्दो-कान्हू स्टेडियम में खेल विभाग द्वारा संचालित आवासीय बालक एथलेटिक्स प्रशिक्षण केंद्र के प्रशिक्षु पृथ्वी राज मंडल 55.55 मी एवं सानू कुमार 52.00 मी के साथबालक अंडर 18 वर्ष में क्रमश स्वर्ण व रजत पदक जीता । बालक अंडर 20 वर्ष में साहेबगंज के नीरज कुमार यादव 52.50 मी के साथ रजत पदक जीता। पुरुष वर्ग में सकरीगली के शिवम कुमार मंडल ने 54.12 मी एवं काजल कुमारी -27.35 मी के साथ बालिका अंडर 16 वर्ष में स्वर्ण पदक जीता। इस उपलब्धि पर उपायुक्त दीपक कुमार दुबे, उपविकास आयुक्त सतीश चंद्रा, आईटीडीए निदेशक संजय कुमार, जिला शिक्षा पदाधिकारी सह जिला खेल पदाधिकारी नयन कुमार, कोच योगेश यादव,अशोक कुमार, खेल समन्वयक कौशल किशोर मरांडी समेत जिले के खेल प्रेमियों ने विजेता खिलाड़ियों को बधाई दी।

न्यूज IN ब्रीफ

हावड़ा-नतेसर स्पेशल ट्रेन का कल से साहिबगंज समेत कई स्टेशनों पर होगा ठहराव

साहिबगंज :यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए पूर्व रेलवे ने हावड़ा और नतेसर के बीच स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है। ट्रेन संख्या 03029 हावड़ा-नतेसर स्पेशल 10 अगस्त 2026 से 8 फरवरी 2027 तक प्रत्येक सोमवार, बुधवार और शनिवार को हावड़ा से रात 10 बजे रवाना होगी और अगले दिन दोपहर 1 बजे नतेसर पहुंचेगी। इस अवधि में ट्रेन के कुल 79 फेरे होंगे।वापसी में ट्रेन संख्या 03030 नतेसर-हावड़ा स्पेशल 11 अगस्त 2026 से 9 फरवरी 2027 तक प्रत्येक मंगलवार, गुरुवार और रविवार को नतेसर से दोपहर 1:55 बजे रवाना होगी और अगले दिन सुबह 7 बजे हावड़ा पहुंचेगी। इस ट्रेन के भी कुल 79 फेरे निर्धारित हैं। साहिबगंज समेत इन स्टेशनों पर ठहराव स्पेशल ट्रेन का दोनों दिशाओं में बंडेल, बर्द्धमान, बोलपुर शांतिनिकेतन, रामपुरहाट, पाकुड़, बरहरवा, साहिबगंज, भागलपुर, सुल्तानगंज, जमालपुर और अभयपुर स्टेशनों पर ठहराव होगा ट्रेन में सामान्य द्वितीय श्रेणी, स्लीपर और वातानुकूलित श्रेणी के कोच उपलब्ध रहेंगे। इस स्पेशल ट्रेन की टिकट बुकिंग की तारीख की घोषणा रेलवे द्वारा जल्द की जाएगी।

एक बार फिर पुलिस अधीक्षक अमित कुमार सिंह का मानवीय चेहरा आया सामने

झोपड़ी में रहने वाली महिला की परेशानी सुन तत्काल उसे हरसंभव सहायता का दिया निर्देश

साहिबगंज :एक बार फिर पुलिस अधीक्षक अमित कुमार सिंह का मानवीय चेहरा सामने आया है। नगर थाना क्षेत्र के हबीबपुर सेंट्रल स्कूल के समीप झोपड़ी में रहने वाली रूबी सिन्हा की परेशानी सुनकर एसपी ने तत्काल संज्ञान लिया और उसे हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। बताया जाता है कि रूबी सिन्हा के पति पंकज श्रीवास्तव ने उसे छोड़ दिया है। इसके बाद वह अपने बाल-बच्चों का किसी तरह पालन-पोषण कर रही थी। आर्थिक स्थिति खराब होने के कारण उसके लिए जीवन-यापन करना मुश्किल हो गया था। अपनी परेशानी लेकर रूबी ने पुलिस अधीक्षक से गुहार लगाते ही इस मामले को गंभीरता से लेते हुए नगर थाना प्रभारी को महिला के घर पहुंचकर उसकी समस्याओं की जानकारी लेने और आवश्यक मदद उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। इसके बाद नगर थाना प्रभारी स्वयं महिला के घर पहुंचीं और उसकी स्थिति की पूरी जानकारी ली। बिजली कनेक्शन से लेकर राशन तक की व्यवस्था जांच में पता चला कि महिला के घर में बिजली कनेक्शन तक नहीं था और वह अंधेरे में रहने को मजबूर थी। इसके बाद बिजली विभाग से समन्वय कर उसके घर में नया बिजली कनेक्शन उपलब्ध कराया गया। साथ ही नया बिछावन, चौकी, कुर्सी-टेबल सहित घर की जरूरत का सामान और राशन की भी व्यवस्था कराई गई। सहायता मिलने के बाद रूबी सिन्हा ने पुलिस अधीक्षक के प्रति आभार जताया। उन्होंने कहा कि एसपी ने उनकी परेशानी को समझते हुए जिस तरह मदद की, उससे उन्हें काफी राहत मिली है। ज्ञात हो कि पिछले दिनों भी पुलिस अधीक्षक अमित कुमार सिंह का मानवीय चेहरा सामने आया था। शहर के स्टेडियम रोड स्थित पुलिस आवास के एक फ्लैट में रहने वाली एक वृद्ध महिला की परेशानी की जानकारी मिलने पर एसपी ने तत्काल संज्ञान लेते हुए उन्हें आवश्यक घरेलू सामान और राशन उपलब्ध कराया था। एसपी की इस पहल की लोगों ने सराहना की थी।अब रूबी सिन्हा की मदद के बाद एक बार फिर एसपी की संवेदनशीलता और मानवीय पहल चर्चा का विषय बनी हुई है। लोगों का कहना है कि पुलिस की पहचान सिर्फ अपराधियों पर कार्रवाई करने तक सीमित नहीं है, बल्कि जरूरतमंद और असहाय लोगों के साथ खड़े होने वाला उसका मानवीय पक्ष भी समाज के सामने आना चाहिए।

उत्क्रमित प्राथमिक विद्यालय हरिजन टोला प्रबंध समिति का हुआ पुनर्गठन

साहिबगंज/बरहरवाःउत्क्रमित प्राथमिक विद्यालय हरिजन टोला बरहरवा में शनिवार को विद्यालय प्रबंध समिति पुनर्गठन को लेकर विद्यालय में आमसभा का आयोजन किया गया. जिसकी अध्यक्षता बरहरवा नगर पंचायत के वार्ड 3 के पार्षद अमित कुमार भारती ने किया।इस दौरान पर्यवेक्षक के रूप में प्लस टू उच्च विद्यालय बरहरवा के शिक्षक बिनोद यादव उपस्थित थे.आमसभा मे सर्वसम्मति से अध्यक्ष के रूप में खुसबू कुमारी व उपाध्यक्ष के रूप मे लाडली खातून का चयन किया गया. जबकि सदस्य के रूप मे भानुमति देवी,पिंकी देवी,साजिदा खातून, जाहनारा बीबी,मीणा देवी,हुस्नारा खातून,मो जाबी,निताय सरकार, काजल देवी व प्रियंका देवी का चयन किया गया।वही प्रस्ताव लिया गया की वार्ड सदस्य अमित भारती समिति मे सदस्य रहेंगे व सदस्य व संयोजीका के रूप में प्रधनाध्यापक कुमारी ज्योति संत को रखा गया।मौके पर दर्जनों महिला व पुरुष अभिभावक आमसभा मे उपस्थित थे।

शहीद निर्मल महतो को दी गयी श्रद्धांजलि

एजेंसी

साहिबगंज : शहर के मछुआ सोसायटी में झारखंड मुक्ति मोर्चा के नगर अध्यक्ष आदित्य यादव की अध्यक्षता मे झारखंड के अमर शहीद निर्मल महतो का शहादत दिवस मनाया गया। कार्यक्रम मे बतौर मुख्य अतिथि के रूप मे झारखंड मुक्ति मोर्चा जिला अध्यक्ष अरुण सिंह उपस्थित थे।इस दौरान उपस्थित लोगों ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी और उनके संघर्ष,विचारों एवं समाज के प्रति योगदान को स्मरण किया। कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष अरुण सिंह ने कहा कि शहीद निर्मल महतो ने झारखंड की पहचान,अधिकार और स्वाभिमान के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। उन्होंने समाज के वंचित और शोषित वर्ग की आवाज को मजबूती से उठाया तथा झारखंड आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वही नगर अध्यक्ष आदित्य यादव ने कहा कि निर्मल महतो का संघर्ष और बलिदान आज भी युवाओं के लिए प्रेरणास्त्रोत है। उनके बताए मार्ग पर चलकर ही एक मजबूत, न्यायपूर्ण और विकसित झारखंड का निर्माण किया जा सकता है। इस अवसर पर लोगों ने शहीद निर्मल महतो के अधूरे सपनों को पूरा करने तथा उनके विचारों और आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया।मौके पर बबलू मिश्रा अमरदीप सिंह,नमन अंसारी,सिद्धिनाथ,मजहर खान,वारिश अनवर,तारीख अनवर, साह कमर,विनीत कुमार,गोपाल मंडल,अभिषेक यादव,दीपा देवी,सरिता देवी,मोहम्मद जमाल उद्दीन, रणजीत शाहा,सोहेल अख्तर,राजेश मंडल,वरुण तंबाकूवाला,अंकित तम्बाखूवाला, मोहम्मद फारुख,लालू यादव,सोनू सिंह,मोहम्मद कासिम, तौकीर अजहर व अन्य मौजूद थे

केकेएम कॉलेज की सीट कटौती के खिलाफ छात्रों का आंदोलन,मोनिता कुमारी ने दिया समर्थन

संवाददाता

साहिबगंज /पाकुड़ः केकेएम कॉलेज पाकुड़ में सीटों में कटौती के विरोध में छात्र-छात्राओं का धरना-प्रदर्शन जारी है।छात्रों की मांग है कि कॉलेज में पूर्व की सीट संख्या को बहाल किया जाए ताकि विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित न हो।वही छात्रों के आंदोलन को समर्थन देने के लिए कांग्रेस कमिटी के जिला महासचिव मोनिता कुमारी धरना स्थल पर पहुंचीं।उन्होंने आंदोलनरत छात्र-छात्राओं से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं और उनकी मांगों का समर्थन किया।इस दौरान ोनिता कुमारी ने पाकुड़ विधायक निसात आलम से फोन के माध्यम से बातचीत कर छात्रों के धरने और सीट कटौती से उत्पन्न समस्या से अवगत कराया। विधायक निसात आलम ने मामले को गंभीरता से लेते हुए आश्वासन दिया कि चल रहे मानसून सत्र में इस मुद्दे को विधानसभा में प्रमुखता से उठाया जाएगा।छात्रों ने कहा कि जब तक सीटों की पूर्व संख्या बहाल करने को लेकर सकारात्मक पहल नहीं होती,तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा।वहीं,कांग्रेस की ओर से छात्रों की जायज मांग के समर्थन में हरसंभव सहयोग का भरोसा दिया गया।

यूरोपीय एथलेटिक्स चैंपियनशिप का आगाज सोमवार से, डुप्लांटिस और इंगब्रिग्त्सेन पर रहेंगी नजरें

बर्मिंघम : विश्व रिकॉर्डधारी और ओलंपिक चैंपियन अर्मांड ह्यमोंडोह्ल डुप्लांटिस समेत दुनिया के 10 मौजूदा चैंपियन सोमवार से शुरू हो रही यूरोपीय एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2026 में पदक के लिए उतरेंगे। ब्रिटेन में पहली बार आयोजित हो रही इस चैंपियनशिप में 49 देशों के एथलीट हिस्सा लेंगे और 50 स्वर्ण पदकों के लिए मुकाबला होगा। डुप्लांटिस पुरुषों की पोल वॉल्ट स्पर्धा में आकर्षण का केंद्र होंगे। उनके अलावा आइजैक नाडेर (1500 मीटर), जिमी ग्रेसियर (5000 और 10,000 मीटर), मैटिया फुरलानी (लंबी कूद), पेड्रो पिचार्डो (त्रिकूद), डेनियल स्टाहल (चक्का फेंक) और लियो न्यूगेबॉयर (डेकाथलॉन) मौजूदा विश्व चैंपियन हैं। महिलाओं में फेमके बोल (400 मीटर बाधा दौड़), दिताजी कांबुंडी (100 मीटर बाधा दौड़) और मारिया पेरेज प्रमुख विश्व चैंपियन हैं। चौथे लगातार यूरोपीय खिताब पर डुप्लांटिस की नजर डुप्लांटिस, जैकब इंगब्रिग्त्सेन, मिल्टियादिस टेंटोग्लू और नॉर्वे के 400 मीटर बाधा धावक कार्स्टेन वारहोम लगातार चौथा यूरोपीय खिताब जीतने के लक्ष्य के साथ उतरेंगे। वहीं यारोस्लावा माहुचिख और कीली हॉगिन्सन लगातार तीसरा स्वर्ण जीतने की कोशिश करेंगी। डुप्लांटिस लंदन डायमंड लीग में बायीं जांघ की समस्या के कारण हिस्सा नहीं ले पाए थे। उन्होंने वहां 5.95 मीटर की छलांग लगाने के बाद प्रतियोगिता से हटने का फैसला किया था। हालांकि जांच में कोई चोट नहीं मिली और अब वह बर्मिंघम में वापसी के लिए तैयार हैं। डुप्लांटिस अब तक 15 बार विश्व रिकॉर्ड तोड़ चुके हैं। उन्होंने 2020 में 6.17 मीटर के साथ पहली बार विश्व रिकॉर्ड बनाया था, जबकि उनका मौजूदा विश्व रिकॉर्ड 6.31 मीटर है, जो उन्होंने मार्च में स्वीडन में बनाया था। नॉर्वे के जैकब इंगब्रिग्त्सेन भी बर्मिंघम में वापसी करेंगे। जनवरी में एड़ी की सर्जरी के बाद उन्होंने 2026 में अब तक कोई प्रतियोगिता नहीं खेली है। वह बर्मिंघम में केवल 5000 मीटर दौड़ में हिस्सा लेंगे। इंगब्रिग्त्सेन पिछले तीन यूरोपीय चैंपियनशिप में 1500 और 5000 मीटर के खिताब जीत चुके हैं। वह 2018 से यूरोपीय चैंपियनशिप में अजेय हैं और अब तक छह स्वर्ण पदक जीत चुके हैं।

घरेलू सितारों पर भी रहेंगी निगाहें : मेजबान ब्रिटेन की ओर से ओलंपिक 800 मीटर चैंपियन कीली हॉगिन्सन, उनकी ट्रेनिंग पार्टनर जॉर्जिया हंटर-बेल और 2022 की विश्व 1500 मीटर चैंपियन जेक वाइटमैन प्रमुख दावेदार होंगे।

म्बेउमो के गोल से मैनचेस्टर यूनाइटेड ने पीएसजी को 1-1 से बराबरी पर रोका

एजेंसी

गॉथेनबर्ग (स्वीडन), 09 अगस्त (हि.स.)। ब्रायन म्बेउमो के शानदार गोल की मदद से मैनचेस्टर यूनाइटेड ने प्री-सीजन मैत्री मैच में शनिवार को यूरोपीय चैंपियन पेरिस सेंट-जर्मेन (पीएसजी) को 1-1 की बराबरी पर रोक दिया। उललेवी स्टेडियम में खेले गए मुकाबले के साथ ही यूनाइटेड ने प्री-सीजन में अपना अजेय अभियान जारी रखा। पीएसजी ने मुकाबले की शुरूआत बेहद आक्रामक अंदाज में की। सेनेगल के युवा फारवर्ड इब्राहिम म्बाये ने मैच के दूसरे मिनट के भीतर ही गोल कर टीम को बढ़त दिला दी। 2026 फीफा विश्ठा कप

में प्रभावित करने वाले म्बाये ने पीएसजी के पहले ही मौके को गोल में बदलकर यूनाइटेड पर दबाव बना दिया।

यूनाइटेड को 20 मिनट के बाद बड़ा झटका लगा, जब मेसन माउंट चोटिल होकर मैदान से बाहर हो गए। इसके बावजूद टीम ने दबाव झेला और आधे घंटे का खेल पूरा होने के बाद बराबरी हासिल कर ली। एटलेटिको मैड्रिड के खिलाफ पिछले मुकाबले में दो गोल करके यूनाइटेड को 2-1 से जीत दिलाने वाले ब्रायन म्बेउमो ने एक बार फिर टीम को संकट से बाहर निकाला। उन्होंने शानदार फिनिश के साथ गेंद को गोल में पहुंचाकर स्कोर 1-1 कर दिया।

इसके बाद यूनाइटेड ने लगातार पीएसजी पर दबाव बनाया और गोल पर छह शॉट लगाए, जबकि पीएसजी के खिलाड़ी सिर्फ दो शॉट ही लक्ष्य पर रख सके। हालांकि, रूसी गोलकीपर मातवे सफोनोव ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पांच महत्वपूर्ण बचाव किए और अपनी टीम को हार से बचाया। माइकल कैरिक की टीम को इससे पहले रेक्सहैम एएफसी के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था, लेकिन उसके बाद के तीन मुकाबलों में यूनाइटेड ने दो जीत और एक ड्रॉ हासिल किया है। इस तरह टीम का अजेय अभियान तीन मैचों तक पहुंच गया है। वहीं, पीएसजी की पिछली जीत मई में लेंस के खिलाफ 2-0 से आई थी। इसके बाद टीम को दो हार और दो ड्रॉ का सामना करना पड़ा है।

अश्मिता चालीहा ने कोरिया मास्टर्स अपने नाम किया, पहली बार जीता बीडब्ल्यूएफ टूर खिताब

एजेंसी

सियोल : भारत की अश्मिता चालीहा ने रविवार को शानदार वापसी करते हुए चीन की हान कियान शी को हराकर बीडब्ल्यूएफ कोरिया मास्टर्स 2026 का महिला एकल खिताब जीत लिया है। यह अश्मिता का पहला बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर खिताब है। 26 वर्षीय गुवाहाटी की अश्मिता ने चौथी वरीयता प्राप्त चीनी खिलाड़ी के खिलाफ पहला गेम 14-21 से गंवाने के बाद जोरदार वापसी की और अगले दोनों गेम 21-14, 21-14 से जीतकर 53 मिनट में मुकाबला अपने नाम कर लिया। निर्णायक गेम में अश्मिता एक समय 9-11 से पीछे चल रही थीं, लेकिन कोर्ट के दूसरे छोर से मिल रही अनुकूल ड्रिफ्ट का उन्होंने शानदार फायदा उठाया। उन्होंने इसके बाद बचे 15 में से 12 अंक जीतकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। मई में तीन महीने की चोट के बाद वापसी करने वाली विश्व की 50वें नंबर की अश्मिता ने बीडब्ल्यूएफ टूर पर लगातार प्रभावशाली प्रदर्शन किया है। वापसी के बाद अपने पहले दो टूर्नामेंटों में उन्होंने चाइना मास्टर्स और मलेशिया मास्टर्स के क्वार्टर फाइनल तक का सफर तय किया था। इस खिताबी जीत से पहले उनके लिए इस सत्र का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन जून में मकाऊ ओपन में सेमीफाइनल तक पहुंचना था, जहां उन्हें दक्षिण कोरिया की उपविजेता पार्क गा-उन से हार मिली थी। राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र, गुवाहाटी में पार्क ताए-सांग के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण लेने वाली अश्मिता ने कोरिया मास्टर्स के क्वार्टर फाइनल में शीर्ष वरीयता प्राप्त जापान की हिना अकेची को हराया था। इसके बाद सेमीफाइनल में उन्होंने अपनी हमवतन रक्षिता रामराज को शिकस्त देकर फाइनल में जगह बनाई। कोरिया मास्टर्स का खिताब भारत के लिए लगातार दूसरा महिला एकल बीडब्ल्यूएफ टूर खिताब है। पिछले सप्ताह तन्वी शर्मा ने ताइपे ओपन का खिताब जीता था। अश्मिता और तन्वी अब उन चुनिंदा भारतीय खिलाड़ियों की सूची में शामिल हो गई हैं, जिन्होंने महिला एकल में बीडब्ल्यूएफ टूर खिताब जीता है। इस सूची में साइना नेहवाल, पी.वी. सिंधु और देविका सिहाग भी शामिल हैं।

'भारत मेरी मां तो पाकिस्तान मौसी हैं'

फिल्म 'बंटवारा 1947' के प्रमोशन के दौरान दिया बयान, सोशल मीडिया पर हुई ट्रोलिंग

फिल्म 'बंटवारा 1947' की रिलीज से पहले सनी देओल अपने एक बयान को लेकर विवादों में आ गए। पटना में फिल्म के प्रमोशन के दौरान उन्होंने अपने पिता धर्मेंद्र के एक पुराने बयान का जिक्र करते हुए पाकिस्तान को मौसी बताया, जिसके बाद सोशल मीडिया पर कुछ लोगों ने उन्हें ट्रोल किया। दरअसल सनी से सवाल किया गया कि यह मूवी, जो पाकिस्तान में शूट की गई है, तो आप पाकिस्तान को एक देश या माहौल के तौर पर कैसे देखते हैं?

क्या आप कुछ बताना चाहेंगे? इस पर सनी ने बताया कि फिल्म की शूटिंग पाकिस्तान में नहीं हुई, बल्कि फिल्म हिंदुस्तान में ही शूट हुई है। उन्होंने आगे कहा, 'हम कोई ऐसी बातें नहीं करते, क्योंकि पूरा देश एक ही था। जैसे पापा ने कहा था कि मेरी मां (भारत) तो वो मेरी मौसी (पाकिस्तान) है, जो आप लोग अच्छी तरह से समझते हैं। हम सब एक तरह से हैं, तो कहीं न कहीं से जुड़े हुए हैं। सनी देओल के इस बयान पर सोशल मीडिया पर कई लोगों ने प्रतिक्रिया दी। कुछ यूजर्स ने उनके बयान की आलोचना की।

बचपन की ख्वाहिश का किया जिक्र

शादी से पहले बच्चा गोद लेना चाहती हैं आम्रपाली दुबे

आम्रपाली दुबे और दिनेश लाल यादव यानि निरहुआ अच्छे दोस्त हैं। एक रियलिटी शो पर एक्ट्रेस ने शादी के पहले मां बनने की अपनी इच्छा के बारे में निरहुआ को बताया। एक्ट्रेस आम्रपाली दुबे और एक्टर निरहुआ दोनों ही इन दिनों रियलिटी शो 'भोजपुरी बवाल' में दिखाई दे रहे हैं। इसी शो के दौरान एक्ट्रेस ने मां बनने की इच्छा जताई। आम्रपाली जब अपनी इस इच्छा का इजहार कर रही थीं तब वहां एक्टर निरहुआ भी मौजूद थे। जानें क्यों शादी के पहले मां बनना चाहती हैं एक्ट्रेस...

आम्रपाली दुबे ने बताई अपनी इच्छा

हाल ही में भोजपुरी अभिनेत्री आम्रपाली दुबे रियलिटी शो 'भोजपुरी बवाल' के दूसरे एपिसोड में निरहुआ के साथ थीं। इसी दौरान उन्होंने अपनी जल्द से जल्द मां बनने की इच्छा जताई। उन्होंने निरहुआ से बताया कि वह एक बेटी गोद लेना चाहती हैं। यह सुन कर निरहुआ कुछ हैरान से हो गए। उन्होंने एक्ट्रेस से पूछा कि उनके मन में यह बात कहां से आई। इसपर आम्रपाली ने कहा कि वह हमेशा से यह चाहती थीं।

मुझे एहसास हुआ मैं यही चाहती हूं

आम्रपाली दुबे ने निरहुआ को अपनी बात समझाते हुए कहा, 'ये एक दिन की बात नहीं है। मैं बहुत पहले से चाहती हूं।. मेरी फैमिली में कजिन्स के जितने भी बच्चे हैं उन्हें देखकर मुझे मां बनने की फीलिंग आती है। मैं बच्चों के सारे काम कर सकती हूं। 'पहले मुझे लगता था ये सिर्फ फीलिंग्स है। लेकिन फिर एहसास हुआ कि मैं ऐसा चाहती हूं। मेरे अंदर जो ममता है, उसे कोई बच्चा डिजर्व करता है।

मल्लिका शेरावत के साथ नजर आए तेज प्रताप यादव

बिहार की राजनीति में अपने अलग अंदाज और बेबाक बयानों के लिए पहचाने जाने वाले जनशक्ति जनता दल (जेजेडी) के राष्ट्रीय अध्यक्ष तेज प्रताप यादव इन दिनों मनोरंजन जगत में अपनी मौजूदगी को लेकर लगातार चर्चा में हैं। हाल ही में उन्होंने रियलिटी शो 'भोजपुरी बवाल' के जरिए लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचा और अब एक नया वीडियो सोशल मीडिया पर साझा कर उन्होंने फिर सुर्खियां बटोर ली हैं। इस वीडियो में तेज प्रताप बॉलीवुड अभिनेत्री मल्लिका शेरावत के साथ नजर आ रहे हैं। दोनों को एक साथ देखकर इंटरनेट पर चर्चाएं शुरू हो गई हैं। दरअसल, तेज प्रताप यादव ने अपने आधिकारिक एक्स टाइमलाइन पर यह वीडियो साझा किया है। वीडियो में वह अभिनेत्री मल्लिका शेरावत के साथ बैठे दिखाई दे रहे हैं। दोनों के बीच बातचीत होती नजर आ रही है। वीडियो में तेज प्रताप अपने मोबाइल फोन में मल्लिका शेरावत को कुछ दिखा रहे हैं, वहीं मल्लिका भी पूरे ध्यान से मोबाइल की ओर देखती हैं और बीच-बीच में तेज प्रताप से बातचीत करती दिखाई देती हैं। इस वीडियो को और खास बनाने के लिए इसके बैकग्राउंड में फिल्म 'धुरंधर' का रोमांटिक गाना 'गहरा हुआ' लगाया गया है। गाने के साथ तैयार किया गया यह छोटा वीडियो सोशल मीडिया पर लोगों का ध्यान खींच रहा है। तेज प्रताप यादव ने वीडियो के साथ यह जानकारी साझा नहीं की है कि उनकी और मल्लिका शेरावत की यह मुलाकात कब और किस मौके पर हुई, लेकिन उन्होंने कैप्शन के जरिए कुछ दिलचस्प सा संकेत जरूर दिया है।

उन्होंने वीडियो के साथ कैप्शन में लिखा, ''जल्द ही कुछ रोमांचक आने वाला है'' वीडियो के सामने आने के बाद कई लोग इसे किसी शूटिंग या कार्यक्रम के दौरान हुई मुलाकात मान रहे हैं, जबकि कुछ लोग इसे 'भोजपुरी बवाल' से जोड़कर भी देख रहे हैं।

'रामायणम' में राम बने रणबीर को देख अमीषा पटेल बोलीं- पुरानी

'रामायण' को मात देना मुश्किल

अमीषा पटेल ने नितेश तिवारी की 'रामायणम' का ट्रेलर देख रिएक्ट किया है और राम के किरदार में रणबीर कपूर की कास्टिंग पर भी बोलीं।अमीषा ने कहा कि रामानंद सागर की 'रामायण' को मात दे पाना या बराबरी भी बड़ी चुनौती है। साथ ही कहा कि रणबीर राम बनकर कैसे लगेंगे, ये फिल्म देखकर ही पता चलेगा।

नितेश तिवारी की 4000 करोड़ी फिल्म 'रामायणम्' का ट्रेलर रिलीज होने के बाद से ही लगातार सुर्खियों में है। तब से इसी पर चर्चा हो रही है कि क्या राम के किरदार में रणबीर कपूर जंचेंगे? साई पल्लवी सीता के किरदार के साथ न्याय कर पाएंगी? ट्रेलर में राम-सीता बने रणबीर और साई पल्लवी को देख सोशल मीडिया बंटा हुआ है। हर कोई उनकी तुलना रामानंद सागर की 'रामायण' के राम-सीता से कर रहा है। अब अमीषा पटेल ने भी इस पर रिएक्ट किया है और कहा कि पुरानी 'रामायण' को मात देना मुश्किल है।

अमीषा पटेल ने 'रामायणम' में राम के किरदार में रणबीर कपूर को कास्ट किए जाने पर भी अपने विचार रखे, और कहा कि फिल्म देखने पर ही पता चलेगा कि रणबीर राम के रोल में कैसे लगेंगे। अमीषा ने यह बात जुहू में एक डबिंग स्टूडियो के बाहर पपाराजी से कही।

'रामायणम' पर बोलीं अमीषा पटेल- पुरानी रामायण बेंचमार्क है: पपाराजी ने जब अमीषा से पूछा कि उन्हें नितेश तिवारी की 'रामायणम्' का ट्रेलर कैसा लगा, तो वह बोलीं, 'अच्छा लगा। उम्मीद करती हूं कि अच्छा जाए, क्योंकि ये हमारी एक ऐतिहासिक कहानी है। पौराणिक महाकाव्य है। बचपन से हम लोग रामानंद सागर जी की 'रामायण' देख रहे हैं, तो वो बेंचमार्क एक हमारे दिमाग में है। तो मुझे उम्मीद है।

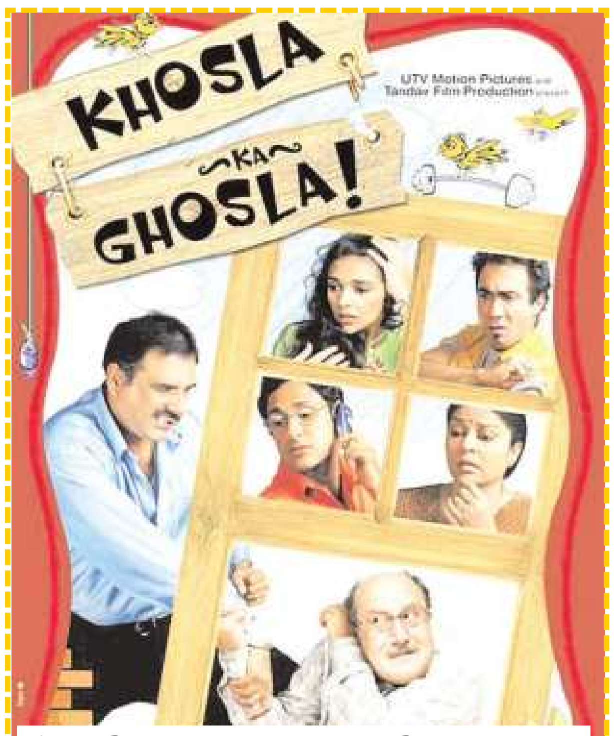

'खोसला का घोसला-2' की शूटिंग हुई पूरी

अभिनेता अनुपम खेर की आगामी फिल्म 'खोसला का घोसला-2' की शूटिंग पूरी चुकी है। अभिनेता अनुपम खेर ने बुधवार को सोशल मीडिया के जरिए रैपअप की जानकारी दी। अभिनेता ने अपनी इस पोस्ट के जरिए अपने साथी-कलाकार बोमन ईरानी की जमकर सराहना की। अभिनेता ने इंस्टाग्राम पर रैप-अप पार्टी की वीडियो पोस्ट की। इसमें अभिनेता बोमन ईरानी को खास मित्र और साथ काम करने के लिए उन्हें धन्यवाद दिया। अनुपम खेर ने लिखा, 'खुराना साहब की फिल्म रैप। मंगलवार रात मेरे दोस्त बोमन ईरानी की फिल्म 'खोसला का घोसला-2' की शूटिंग पूरी हो गई है। एक ऐसे आदमी के बारे में क्या कहा जा सकता है, जिसके पास सब कुछ हो, टैलेंट, विनम्रता, उदारता, समझदारी और एक बड़ा दिल। अभिनेता अनुपम खेर ने फिल्म में अपने और बोमन ईरानी के बीच के रिश्ते को मजाकिया अंदाज में समझाते हुए लिखा, 'फिल्म में हमारा रिश्ता हमारे ऑफ-स्क्रीन रिश्ते से बिल्कुल अलग है। फिल्म में, वह डराने वाले, बेरहम और कभी न भूलने वाले खुराना साहब हैं। असल जिंदगी में, वह सबसे प्यारे, दयालु और सबसे उदार दोस्तों में से एक हैं, जिनकी कोई उम्मीद कर सकता है।

फरहाना भट्ट ने रोहित शेट्टी को बताया मजबूत सपोर्ट

स्टंट आधारित शो 'खतरों के खिलाड़ी' में कंटेस्टेंट्स को शारीरिक ताकत के साथ-साथ मानसिक मजबूती भी दिखानी पड़ती है। ऐसे में होस्ट की भूमिका काफी अहम हो जाती है, क्योंकि उनका हौसला बढ़ाना कई बार कंटेस्टेंट्स को अपने डर पर जीत हासिल करने में मदद करता है। इस कड़ी में अभिनेत्री फरहाना भट्ट ने शो के होस्ट और फिल्म निर्माता रोहित शेट्टी की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि रोहित खिलाड़ियों में ऐसा आत्मविश्वास भर देते हैं कि वे उन स्टंट को भी करने के लिए तैयार हो जाते हैं, जिनसे वे शुरुआत में डर रहे होते हैं। 'बिग बॉस 19' में नजर आ चुकीं फरहाना भट्ट ने आईएएनएस से खास बातचीत में रोहित शेट्टी के बारे में अपने विचार साझा किए। उन्होंने कहा, ''रोहित एक शानदार होस्ट हैं और उनकी सबसे बड़ी खासियत यह है कि वह कंटेस्टेंट्स को लगातार प्रेरित करते रहते हैं।

कई बार ऐसा होता है कि कोई स्टंट देखकर आपको डर लगने लगता है और आपको लगता है कि शायद आप उसे नहीं कर पाएंगे। लेकिन अगर उसी समय रोहित शेट्टी आपके पास खड़े हों और आपका साथ दे रहे हों, तो आपको अलग ही हिम्मत मिलती है। उन्होंने आगे कहा, ''रोहित के सपोर्ट के साथ कोई भी कंटेस्टेंट मौत के कुएं जैसे डरावने स्टंट में भी उतरने का साहस जुटा सकता है।''

आधा समय काम और खाने की चर्चा में बीतता है'

अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह और निर्माता-अभिनेता जैकी भगनानी की जोड़ी ने अपने रिश्ते को हमेशा निजी रखा है, लेकिन समय-समय पर सोशल मीडिया के जरिए अपनी जिंदगी से जुड़ी खूबसूरत झलकियां भी साझा करते रहते हैं। हाल ही में रकुल ने जैकी के साथ अपने काम और निजी रिश्ते को लेकर एक खास बात साझा की, जिसमें उन्होंने बताया कि पति के साथ काम करना उनके लिए कितना खास और मजेदार अनुभव है। रकुल प्रीत सिंह ने इंस्टाग्राम पर जैकी भगनानी के साथ कुछ तस्वीरें साझा कीं। इन तस्वीरों में दोनों के बीच की खास बॉन्डिंग नजर आ रही है। पोस्ट में रकुल ने फैंस द्वारा पूछे जाने वाले उस सवाल का जवाब दिया कि पति के साथ काम करना कैसा होता है। रकुल ने अपने कैप्शन में लिखा, ''जब लोग मुझसे पूछते हैं कि साथ काम करने का अनुभव कैसा है, तो इसका जवाब बहुत आसान है। हम दोनों का आधा समय काम को लेकर बातचीत करने में और बाकी समय हंसी-मजाक करने और खाने की चर्चा करने में बीतता है। मुझे यह अच्छा लगता है, क्योंकि हमारी सोच और तालमेल एक जैसी है। जब दो लोग किसी काम को लेकर एक जैसी एनर्जी और उत्साह रखते हैं तो साथ मिलकर कुछ नया बनाना और भी खास हो जाता है।'' अभिनेत्री ने आगे लिखा, ''साथ मिलकर जिंदगी बनाना अपने आप में एक अलग अनुभव है, लेकिन जब आप दोनों मिलकर ऐसी चीज बनाने की कोशिश करते हैं, जिसे लेकर दोनों उत्साहित हों, तो वह सफर और भी खास बन जाता है।''

मप्र को आज मिलेगी चार नई हवाई सेवाओं की सौगात

- भोपाल-रीवा, भोपाल-पटना, रीवा-कोलकाता और जबलपुर-कोलकाता के बीच शुरू होंगी सीधी उड़ानें

एजेंसी

भोपाल : मध्य प्रदेश को आज चार नई हवाई सेवाओं की सौगात मिलने जा रही है। प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भोपाल के राजा भोज एयरपोर्ट में आयोजित कार्यक्रम में इन सीधी हवाई सेवाओं का शुभारंभ करेंगे। इनमें भोपाल-रीवा, भोपाल-पटना, रीवा-कोलकाता और जबलपुर-कोलकाता हवाई मार्ग शामिल हैं।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव भोपाल से रीवा की पहली उड़ान को फ्लैग ऑफ करेंगे। कार्यक्रम में केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री किन्जारापु राममोहन नायडू, उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल, केन्द्रीय नागरिक उड्डयन मंत्रालय के सचिव समीर कुमार सिन्हा, एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया के चेयरमैन विपिन कुमार,

अलायन्स एयर के चेयरमैन अमित कुमार, अपर मुख्य सचिव विमानन, संजय कुमार शुक्ला, विमानन आयुक्त चंद्रमौली शुक्ला, भोपाल एयरपोर्ट के डायरेक्टर आलोक त्रिपाठी सहित अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित रहेंगे।

जनसम्पर्क अधिकारी जूही श्रीवास्तव ने बताया कि इन नई सेवाओं के शुरू होने से प्रदेश की आंतरिक एवं अंतरराज्यीय हवाई कनेक्टिविटी को और मजबूती मिलेगी। इन सेवाओं का संचालन अलायन्स एयर द्वारा किया जाएगा। इन सभी घरेलू हवाई मार्गों को मध्य प्रदेश नागरिक विमानन नीति के अंतर्गत वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। प्रत्येक राउंड ट्रिप पर राज्य शासन द्वारा 10 लाख रुपये तक की वायबिलिटी गैप फंडिंग (वीजीएफ) दी जाएगी।

उन्होंने बताया कि राज्य सरकार द्वारा हवाई कनेक्टिविटी के विस्तार को निरंतर प्राथमिकता दी जा रही है। सरकार की नीति के अंतर्गत अब तक आठ नए हवाई मार्ग स्वीकृत किए जा चुके हैं। इनमें से चार मार्गों पर हवाई सेवाएं प्रारंभ हो चुकी हैं, जबकि चार नए मार्गों पर सेवाएं प्रारंभ की जा रही हैं। नीति के अंतर्गत पहले प्रारंभ किए गए मार्गों में रीवा-दिल्ली, रीवा-इंदौर, रीवा-रायपुर और इंदौर-अबूधाबी शामिल हैं। जनसम्पर्क अधिकारी के अनुसार, भोपाल-रीवा सीधी हवाई सेवा प्रदेश के भीतर हवाई कनेक्टिविटी को मजबूत करेगी। इससे राजधानी भोपाल और विंध्य क्षेत्र के बीच सीधा हवाई संपर्क और सुदृढ़ होगा। इसी प्रकार भोपाल-पटना सीधी उड़ान से मध्यप्रदेश की राजधानी सीधे बिहार की राजधानी से जुड़ेगी। इससे दोनों राज्यों के बीच आवागमन सुगम होगा और मध्य प्रदेश में निवासरत बिहार की बड़ी आबादी के साथ यात्रियों, व्यापारियों एवं कारोबारियों को सुविधा मिलेगी। रीवा-कोलकाता और जबलपुर-कोलकाता के बीच सीधी हवाई सेवाएं शुरू होने से प्रदेश के इन दोनों महत्वपूर्ण शहरों का कोलकाता और पूर्वी भारत से हवाई संपर्क मजबूत होगा।

मुख्यमंत्री के दौरे से खुदिराम बोस के गांव में विकास की उम्मीद

मेदिनीपुर : स्वतंत्रता सेनानी खुदिराम बोस के बलिदान दिवस के अवसर पर 11 अगस्त को मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी उनके जन्मस्थान पश्चिम मेदिनीपुर के मोहबनी गांव पहुंचेंगे। मुख्यमंत्री बनने के बाद उनका यह पश्चिम मेदिनीपुर का पहला दौरा होगा। उनके आगमन को लेकर प्रशासनिक स्तर पर तैयारियां तेज हो गई हैं। वहीं, खुदिराम बोस के परिवार और स्थानीय लोगों को उम्मीद है कि मुख्यमंत्री के दौरे से गांव में विकास कार्यों को गति मिलेगी। जिला प्रशासन के अनुसार, पश्चिम मेदिनीपुर की जिलाधिकारी बिजिन कृष्ण और पुलिस अधीक्षक पापिया सुल्ताना ने शनिवार को मोहबनी पहुंचकर तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने कार्यक्रम स्थल, सुरक्षा व्यवस्था, यातायात और भीड़ नियंत्रण सहित विभिन्न व्यवस्थाओं की समीक्षा की तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। प्रशासन सूत्रों के अनुसार, मुख्यमंत्री 11 अगस्त को करीब 20 से 30 मिनट मोहबनी में रह सकते हैं। मुख्यमंत्री के आगमन की खबर से मोहबनी के लोगों में उत्साह है। खुदिराम बोस के परिवार के सदस्य भी उनके दौरे को लेकर आशान्वित हैं।खुदिराम बोस के रिश्तेदार पौत्र गोपाल बोस और उनके पुत्र शांति बोस ने कहा कि शुभेंदु अधिकारी पहले भी मोहबनी आ चुके हैं, लेकिन इस बार वे मुख्यमंत्री के रूप में यहां आएंगे। अवसर मिलने पर वे गांव की समस्याओं और विकास की जरूरतों को मुख्यमंत्री के सामने रखने की कोशिश करेंगे। परिवार के अनुसार, गांव की कई सड़कें अभी भी जर्जर हैं। स्वास्थ्य केंद्र और विद्यालय की आधारभूत सुविधाओं में सुधार की जरूरत है। इसके अलावा डाकघर के लिए अब तक अपना भवन नहीं है। स्थानीय लोगों की मांग है कि इन समस्याओं का स्थायी समाधान किया जाए। मुख्यमंत्री के दौरे से पहले मोहबनी विकास प्राधिकरण भी विकास कार्यों को गति देने में जुट गया है। प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार, केशपुर और गड़बेता-तीन प्रखंड में करीब 10 करोड़ रुपये की लागत से 21 विकास परियोजनाएं लागू करने की पहल की गई है। इनमें 16 सड़क निर्माण और मरम्मत कार्य, एक बड़े नाले का निर्माण तथा कई पुलियों की मरम्मत शामिल है। इनमें से 13 परियोजनाओं के कार्यादेश जारी हो चुके हैं, जबकि शेष परियोजनाओं की निविदा प्रक्रिया चल रही है।

कांवड़ यात्रा और सावन सोमवार को लेकर पुलिस अलर्ट, शहर में रूट मार्च; भारी वाहनों पर रोक

बांदा : उत्तर प्रदेश के जनपद बांदा में सावन सोमवार, कांवड़ यात्रा और सावन अमावस्या को लेकर पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है। आमजनमानस में सुरक्षा की भावना सुदृढ़ करने और जिले में शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से शनिवार रात पुलिस उपमहानिरीक्षक चित्रकूटधाम परिक्षेत्र बांदा राजेश एस और पुलिस अधीक्षक बांदा पलाश बंसल ने भारी पुलिस बल के साथ शहर क्षेत्र में रूट मार्च किया। इस दौरान प्रमुख मार्गों, संवेदनशील स्थानों और भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया गया। पुलिस अधिकारियों ने ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों को सतर्कता के साथ ड्यूटी करने तथा श्रद्धालुओं और आमजन के साथ विनम्र व्यवहार करते हुए सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। रूट मार्च के बाद पुलिस अधिकारियों ने बाम्बेश्वर मंदिर पहुंचकर संभावित श्रद्धालुओं की भीड़ के मद्देनजर मंदिर परिसर और आसपास की सुरक्षा व्यवस्था का निरीक्षण किया। श्रद्धालुओं के सुगम आवागमन, यातायात व्यवस्था, बैरिकेडिंग, पार्किंग और भीड़ नियंत्रण की तैयारियों की समीक्षा कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। अपर पुलिस अधीक्षक बांदा शिवराज ने रविवार को बताया कि कांवड़ यात्रा और आगामी सावन सोमवार के मद्देनजर पुलिस पूरी तरह मुस्तैद है। इस दौरान सहायक पुलिस अधीक्षक/क्षेत्राधिकारी नगर मेविस टॉक सहित भारी पुलिस बल मौजूद रहा। उधर, कांवड़ यात्रा और सावन अमावस्या के मद्देनजर जिले में यातायात व्यवस्था को लेकर भी व्यापक डायवर्जन लागू किया गया है। चित्रकूट की ओर जाने वाले मार्ग पर अति आवश्यक सेवाओं वाले वाहनों को छोड़कर सभी प्रकार के भारी वाहनों का आवागमन प्रतिबंधित रहेगा। मटौंध, भूरागढ़, बांदा, अतर्रा, बदौसा और चित्रकूट मार्ग को कांवड़ यात्रा एवं सावन अमावस्या मार्ग घोषित किया गया है। इस मार्ग पर बड़ी संख्या में पैदल श्रद्धालुओं के आवागमन को देखते हुए रविवार और सोमवार को दिन-रात भारी वाहनों का संचालन पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। बांदा-मटौंध से कबरई तक भी भारी वाहनों के आवागमन पर रोक रहेगी। महोबा से बांदा आने वाले भारी वाहनों को महोबा-कबरई होते हुए खन्ना और बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे के रास्ते बांदा आने की व्यवस्था की गई है। इसी प्रकार बांदा से महोबा जाने वाले भारी वाहन बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे का इस्तेमाल करेंगे। बांदा से चित्रकूट आने-जाने वाले लोगों को कांवड़ यात्रा मार्ग के बजाय बांदा-बिसंडा-पहाड़ी मार्ग अथवा बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे से आवागमन करने की सलाह दी गई है। जिले के अन्य प्रमुख मार्ग बांदा-बेंदाघाट-फतेहपुर, बांदा-चिल्ला-चौडगरा, बांदा-बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे-महोबा तथा बांदा-नरैनी-कालिंजर सभी प्रकार के वाहनों के लिए सामान्य दिनों की तरह खुले रहेंगे। पुलिस ने कांवड़ यात्रा समूहों से अपील की है कि कांवड़ यात्रा अथवा सावन अमावस्या के लिए निर्धारित मटौंध-बांदा-अतर्रा-बदौसा मार्ग का ही प्रयोग करें। वहीं, आमजन से मटौंध-बांदा-अतर्रा-बदौसा-चित्रकूट मार्ग पर कांवड़ यात्रा या चित्रकूट कामदगिरि दर्शन के अलावा अन्य कार्यों से आवागमन से बचने तथा वैकल्पिक मार्गों का प्रयोग करने की अपील की गई है, ताकि श्रद्धालुओं को सुगम और सुरक्षित आवागमन उपलब्ध कराया जा सके। 01

छत्तीसगढ़ में मानसून सक्रिय उत्तर क्षेत्र में भारी वर्षा की संभावना

एजेंसी

रायपुर : दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी और उससे लगे उत्तरी ओडिशा के ऊपर बने निम्न दबाव क्षेत्र के प्रभाव से छत्तीसगढ़ में मानसून सक्रिय बना हुआ है। पिछले 24 घंटों के दौरान प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में वर्षा दर्ज की गई। अगले 24 से 48 घंटों के दौरान प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश और उत्तर छत्तीसगढ़ के कुछ स्थानों पर गरज-चमक के साथ भारी वर्षा व वज्रपात की चेतावनी जारी की गई है। बंगाल की खाड़ी के ऊपर बने चक्रवाती परिसंचरण (लो प्रेशर सिस्टम) की वजह से राज्य में लगातार नमी आ रही है। मौसम विभाग के अनुसार सरगुजा, बिलासपुर, जशपुर, सूरजपुर और बलरामपुर जैसे उत्तरी हिस्सों में भारी बारिश के साथ गरज-चमक और बिजली गिरने की अधिक संभावना जताई गई है। रायपुर और दुर्ग संभाग सहित राज्य के अधिकांश

इलाकों में बादल छाए रहेंगे और हल्की से मध्यम बारिश का दौर जारी रहेगा। कुछ जगहों पर तेज हवाएं भी चल सकती हैं। बलरामपुर और बीजापुर जिले के एक-दो स्थानों पर भारी बारिश हुई है। प्रदेश में अब तक मौसमी वर्षा सामान्य से सात प्रतिशत कम दर्ज की गई है। राजधानी रायपुर में शनिवार देर शाम लगातार दो घंटे तक हुई बारिश से लोगों को उमस से राहत मिली। पिछले दो दिनों में अधिकतम तापमान में करीब तीन डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई। 7 अगस्त को 33 डिग्री सेल्सियस रहा अधिकतम तापमान शनिवार को घटकर 30 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया। पिछले 24 घंटों में प्रदेश का सर्वाधिक अधिकतम तापमान 31.6 डिग्री सेल्सियस दुर्ग में दर्ज किया गया, जबकि सबसे कम न्यूनतम तापमान 21.4 डिग्री सेल्सियस पेंड्रा रोड में रिकॉर्ड किया गया। मौसम विभाग ने रायपुर शहर और आसपास के क्षेत्रों में आज रविवार को अधिकतम तापमान 31 डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान जताया है।

44 स्वयं सहायता समूहों की 143 महिलाएं तैयार कर रहीं डेढ़ लाख तिरंगे झंडे

एजेंसी

बांदा : उत्तर प्रदेश की योगी सरकार स्वतंत्रता दिवस के पर्व को लेकर इसमें स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को सक्रिय भागीदार बनाने पर जोर दे रही है। जिसके क्रम में बांदा जिले की स्वयं सहायता समूह की महिलाओं के द्वारा ₹हर घर तिरंगा अभियान 2026₹ को लेकर डेढ़ लाख तिरंगे झंडे तैयार किया जा रहे हैं। उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के माध्यम से इन तिरंगे झंडों को बनाने की समूहों को जिम्मेदारी दी गई है और ये महिलाएं स्वतंत्रता दिवस को लेकर झंडा बना रही हैं। जिनके द्वारा बनाए गए तिरंगे झंडे सरकारी विभागों और ग्राम पंचायतों में स्वतंत्रता दिवस के मौके पर लगाए जाएंगे। वहीं सरकार के द्वारा इन स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को भुगतान भी किया जाएगा। बांदा जिले में तिरंगे झंडे

बनाने का काम 44 स्वयं सहायता समूहों की 143 महिलाओं के द्वारा किया जा रहा है। ये महिलाएं पिछले लगभग एक महीने से तिरंगे झंडे बनाने का काम कर रही है और यह लक्ष्य लगभग पूरा कर लिया गया है। उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के जरिए इन महिलाओं को तिरंगे झंडे बनाने का काम मिला था। जिसको यह बखूबी निभा रही हैं और इस स्वतंत्रता दिवस में अपनी सक्रिय भागीदारी भी दर्ज करा रही हैं। एनआरएलएम के डिप्टी कमिश्नर दिवाकर सिंह ने रविवार को बताया कि बांदा जिले में 44 स्वयं सहायता समूहों की 143 महिलाओं के द्वारा तिरंगे झंडे बनाने का काम किया जा रहा है। जिनका भुगतान शासन से होगा। यह महिलाएं झंडों को ग्राम पंचायतों को देगी और फिर इन झंडों को प्रधान और सचिव गांव में वितरित करेंगे। वहीं इन महिलाओं के द्वारा बनाए गए तिरंगे झंडे सरकारी विभागों में भी लगाए जाएंगे।

महाकाल की भस्म आरती में शामिल हुए पार्श्वगायक बी प्राक

उज्जैन (मध्य प्रदेश) : प्रसिद्ध पार्श्वगायक बी प्राक आज सुबह उज्जैन पहुंचे। उन्होंने भगवान महाकालेश्वर की प्रात:कालीन भस्म आरती में हिस्सा लिया। बाबा महाकाल के दर्शन-पूजन के बाद उन्होंने मंदिर व जिला प्रशासन के इंतजामों की सराहना की। इस दौरान उन्होंने कहा कि उनके सुपरहिट भजन 'महाकाल' की सफलता के बाद जल्द ही इसका अगला भाग 'महाकाल-2' दर्शकों के बीच लाया जाएगा। उन्होंने विश्व प्रसिद्ध प्रसिद्ध ज्योतिर्लिंग श्री महाकालेश्वर मंदिर के नंदी हॉल में बैठकर बाबा महाकाल का दिव्य रूप देखा और आशीर्वाद प्राप्त किया। आरती संपन्न होने के बाद श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति की ओर से उप प्रशासक एस.एन. सोनी ने उनका स्वागत व सम्मान किया। मीडिया से बातचीत में बी प्राक ने कहा कि सावन के पवित्र मास में बाबा महाकाल के दरबार में उपस्थिति दर्ज कराना अत्यंत सौभाग्य की बात है। अपने प्रसिद्ध शिव भजन 'महाकाल' (महाकाल महाकाल है प्यारे) का जिक्र करते हुए बी प्राक ने बताया कि बाबा की कृपा से इस गीत को दुनियाभर में करोड़ों व्यूज और अपार प्यार मिला है। उन्होंने बताया कि शिवजी पर आधारित उनका एक नया भजन जल्द रिलीज होने वाला है और वे 'महाकाल-2' की तैयारी में जुट गए हैं। उन्होंने बताया कि इंदौर मे कार्यक्रमों के बाद पहली बार उन्हें बाबा महाकाल की नगरी उज्जैन में प्रस्तुति देने का अवसर मिला है, जिसके लिए उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, राज्य सरकार और पुलिस प्रशासन का विशेष आभार व्यक्त किया। श्रावण मास के उपलक्ष्य में आज शाम 7 बजे से श्री महाकालेश्वर मंदिर परिसर स्थित शक्तिपथ (त्रिवेणी संग्रहालय के सामने) 'शिवतत्व-श्रावण कला उत्सव' का भव्य आयोजन किया जा रहा है। मध्य प्रदेश शासन के संस्कृति विभाग के तत्वावधान में आयोजित इस सांगीतिक संध्या में बी प्राक और उनकी मुंबई की टीम शिव भजनों की विशेष प्रस्तुति देगी। कार्यक्रम में उनके साथ निवाड़ी के कलाकार पवन तिवारी और उनका दल भी सांस्कृतिक व भक्तिमय कार्यक्रमों की प्रस्तुति देगा।

रविवार तड़के भस्म आरती के दौरान भगवान महाकाल का विशेष शृंगार किया गया। सुबह 4 बजे मंदिर के पट खुलने के बाद गर्भगृह में स्थापित सभी देव प्रतिमाओं का पूजन हुआ। इसके बाद बाबा महाकाल का जलाभिषेक कर दूध, दही, घी, शक्कर और फलों के रस से तैयार पंचामृत से अभिषेक किया गया। पूजन के दौरान भगवान महाकाल को त्रिशूल, त्रिपुंड और डमरू के साथ भांग अर्पित कर शृंगार किया गया। हरि ओम का जल चढ़ाने के बाद कपूर आरती हुई। इसके बाद ज्योतिर्लिंग को वस्त्र से ढककर विधि-विधान से भस्म अर्पित की गई। भस्म अर्पण के बाद भगवान महाकाल का आकर्षक शृंगार किया गया। बाबा को शेषनाग का रजत मुकुट, चांदी की मुंडमाला और रुद्राक्ष की माला धारण कराई गई। इसके अलावा मोगरे और गुलाब के सुगंधित फूलों से बनी मालाएं भी अर्पित की गईं। भगवान महाकाल को फल और मिष्ठान का भोग लगाया गया। भस्म आरती में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए और बाबा महाकाल के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। 02

बांग्लादेश में गुपचुप कर दी बिजली महंगी, कम खपत वालों पर चोट नहीं

एजेंसी

ढाका : बांग्लादेश एनर्जी रेगुलेटरी कमीशन (बीईआरसी) ने जून में गुपचुप बिजली की दर बढ़ा दी है। थोक दर 7 टका से बढ़कर 8.39 टका प्रति किलोवाट घंटा की गई है। यह 19.85 फीसद की बढ़ोतरी है। इससे औसत खुदरा दर (रिटेल टैरिफ) भी 16.68 प्रतिशत बढ़कर 9.11 टका से 10.63 टका प्रति यूनिट हो गई है। हालांकि बीईआरसी ने कम खपत वाले ग्राहकों के लिए मिल रही छूट बरकरार रखा है। 50 यूनिट से कम बिजली इस्तेमाल करने वाले परिवारों के लिए दर 4.63 टका और 75 यूनिट से कम इस्तेमाल करने वालों के लिए 5.26 टका रखी गई। औसत खुदरा दर 10.40 टका प्रति यूनिट तय की गई। ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, बढ़ा गई दरों के तहत महीने में 76 से 200 यूनिट बिजली इस्तेमाल करने वाले घरेलू ग्राहक अब शुरूआती 75 यूनिट से ज्यादा खपत के लिए 8.50 टका प्रति यूनिट का भुगतान करेंगे, जबकि पहले यह दर 7.20 टका थी। महीने में 200 यूनिट बिजली इस्तेमाल करने वाले परिवार के लिए बिजली का खर्च 1,294.50 टका से बढ़कर 1,457 टका हो गया है। यानी डिमांड चार्ज और वैट से पहले 162.50 टका की अतिरिक्त लागत।

अमेरिका से तनाव के बीच ईरान बीच का रास्ता निकालने की कोशिश में

एजेंसी

तेहरान/वाशिंगटन : ईरान इस साल फरवरी से अमेरिका के साथ होर्मुज जलडमरूमध्य पर छिड़ी जंग के मध्य बीच का रास्ता निकालने की कोशिश में है। इस संबंध में ईरान ने कहा कि ओमान के साथ बातचीत में ऐसी उम्मीद है। इससे इतर इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने जलमार्ग खोलने के लिए पूर्व की शर्त दोहराई है। अमेरिका ने कहा कि हर हाल में ईरान पर दबाव जारी रखेगा। अल जजीरा, फॉक्स न्यूज और सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान ने उम्मीद जताई है कि ओमान के साथ बातचीत से होर्मुज

जलडमरूमध्य में परिणाम निकलेंगे। उन्होंने बातचीत के दौरान न युद्ध और न ही शांति की स्थिति से आगे बढ़ने का आह्वान किया आईआरजीसी ने कहा कि जलमार्ग खुल सकता है, बशर्ते अमेरिका की नौसैनिक नाकाबंदी समाप्त हो युद्ध के नुकसान के लिए मुआवजा दिया जाए। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने खुला आरोप लगाया है कि ईरान संबंधों में सुधार करने के लिए तैयार नहीं है। वाशिंगटन उस पर दबाव बनाना जारी रखेगा। ईरान के विदेशमंत्री अब्बास अरागची ने शनिवार को पत्रकारों से कहा कि ओमान से बातचीत में होर्मुज में अस्थायी रास्ता बनाने पर सहमति लगभग तय हो गई है। मगर जलडमरूमध्य को फिर से खोलने से पहले उसकी शर्तें पूरी होनी चाहिए। युद्ध से हुए नुकसान के लिए अमेरिका को मुआवजा देना देगा। ईरान की राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद ने तो इसके लिए कुछ शर्तें रखीं। वे हैं- अमेरिका ईरान को धमकाना बंद करे। ईरान और उसके क्षेत्रीय सहयोगियों के खिलाफ सैन्य कार्रवाई रोकी जाए। अमेरिका नौसैनिक नाकाबंदी हटाए। संघर्ष में हुए नुकसान के लिए ईरान को मुआवजा दे। प्रतिबंध हटाने के साथ ईरान की फ्रीज की गई संपत्ति को बहाल किया जाए। ईरान से हो रही वार्ता के दौरान ओमान ने होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाजों पर लगातार हो रहे हमलों की निंदा की है। ओमान ने इसके लिए किसी पर दोष नहीं मढ़ा है।

नगांव के जुरिया में जलमग्न घर में गिरने से बुजुर्ग महिला की मौत

नगांव (असम) : असम के नगांव जिले के जुरिया थाना क्षेत्र के महगुड़ी अंतर्गत दिघलियाटी गांव में एक बुजुर्ग महिला की जलमग्न कमरे में गिरने से मौत हो गई। घटना को भूमि विवाद से जोड़कर देखा जा रहा है। मृतका की पहचान 60 वर्ष से अधिक उम्र की साहुरा खातून के रूप में हुई है। स्थानीय लोगों के आरोप के अनुसार, भूमि विवाद को लेकर अमीनुल इस्लाम और हनूफा खातून ने कथित तौर पर एक परिवार के घर के चारों ओर पक्की चारदीवारी का निर्माण कराया था। आरोप है कि चारदीवारी के कारण बारिश के पानी की निकासी बाधित हो गई और घर के आसपास तथा अंदर पानी जमा हो गया। इसी दौरान साहुरा खातून कथित रूप से घर के अंदर जमा पानी में गिर गईं, जिससे उनकी मौत हो गई। हालांकि, उनकी मौत की वास्तविक परिस्थितियां अभी स्पष्ट नहीं हैं। घटना की सूचना मिलने पर जुरिया पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस भूमि विवाद के साथ-साथ घर में पानी जमा होने और महिला की मौत की परिस्थितियों की भी जांच कर रही है। घटना के बाद दिघलियाटी गांव में चिंता का माहौल है। पुलिस जांच पूरी होने के बाद ही घटना से जुड़े अन्य तथ्यों के स्पष्ट होने की उम्मीद है।

घुमंतू विकास बोर्ड लिखेगा नई इबारत, सांस्कृतिक पुनर्जागरण और सामाजिक परिवर्तन का मॉडल बनेगा योगी का यूपी

एजेंसी

लखनऊ : कभी राजाओं की सेनाओं के साथ चलने वाले, लोककला और पारंपरिक कौशल से गांव-गांव जीवन का रंग भरने वाले घुमंतू समुदाय इतिहास के लंबे दौर में धीरे-धीरे हाशिये पर चले गए। आज वही समाज उत्तर प्रदेश में नई पहचान की दहलीज पर खड़ा दिखाई दे रहा है। योगी सरकार ने उत्तर प्रदेश घुमंतू विकास बोर्ड के गठन को मंजूरी देकर एक ऐसा कदम उठाया है जिसे सामाजिक न्याय और सांस्कृतिक पुनर्जागरण की दिशा में ऐतिहासिक निर्णय माना जा रहा है। घुमंतू जनजाति परिषद के प्रदेश संगठन मंत्री राजेश कुमार पांडेय ने हिन्दुस्थान समाचार से खास बातचीत में मुख्यमंत्री योगी

आदित्यनाथ का आभार जताते हुए कहा कि घुमंतू विकास बोर्ड केवल प्रशासनिक इकाई नहीं, बल्कि घुमंतू एवं विमुक्त समाज को पहचान, प्रतिनिधित्व और योजनाओं से जोड़ने का माध्यम बनेगा। बोर्ड शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास, आजीविका, सामाजिक सुरक्षा, पुनर्वास और जातीय अभिलेखों की एकरूपता जैसे मुद्दों पर समन्वित कार्य करेगा। इससे राशन कार्ड, आवास, आयुष्मान कार्ड, पेंशन, भूमि पट्टा और रोजगार योजनाओं तक पहुंच आसान होगी तथा लंबे समय से भटकते समुदायों को स्थायी पहचान और सम्मानजनक जीवन का अवसर मिलेगा। उन्होंने बताया कि भारत में विमुक्त, घुमंतू और अर्ध-घुमंतू समुदायों की अनुमानित आबादी लगभग 10 से 12 करोड़ है। वहीं उत्तर प्रदेश में इन समुदायों की आबादी दो करोड़ है।

1857 से 2014 तक घुमंतू समाज की लंबी यात्रा

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि घुमंतू एवं विमुक्त समाज के इतिहास में कई महत्वपूर्ण पड़ाव जुड़े हैं। 1857 के प्रथम स्वाधीनता संग्राम के बाद अंग्रेजों ने स्वतंत्रता संघर्ष में सक्रिय समुदायों पर दमन तेज किया। 1871 के क्रिमिनल ट्राइब एक्ट के तहत अनेक घुमंतू जातियों को क्रिमिनल ट्राइब घोषित कर सामाजिक कलंक दिया गया। स्वतंत्र भारत में डा. भीमराव अम्बेडकर ने इस अन्याय को समाप्त करने की दिशा में पहल की। समाज प्रतिनिधियों ने बताया कि 1967 में भी जाति प्रमाणपत्र न मिलने जैसी समस्याएं बनी रहीं। स्वतंत्रता के 78 वर्षों बाद आखिरकार लंबे समय से चली आ रही मांग पूरी हुई है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि 2014 में सबका साथ, सबका विकास की नीति के साथ इस समाज को योजनाओं से जोड़ने की प्रक्रिया को गति मिली।

लोक धरोहर से उपेक्षा तक की यात्रा

नट, बंजारा, सपेरा, कंजर और अन्य विमुक्त-घुमंतू समुदाय सदियों तक भारतीय लोकजीवन का जीवंत हिस्सा रहे। मेलों, उत्सवों और यात्राओं में उनकी कला, संगीत, नृत्य और पारंपरिक हुनर समाज की सांस्कृतिक धरोहर माने जाते थे। लेकिन, समय बदला, जीवन शैली बदली और ये समुदाय स्थायी बसावट, शिक्षा और प्रशासनिक पहचान से दूर होते चले गए। कई परिवारों की पीढ़ियां बिना जमीन, बिना नियमित रोजगार और बिना सामाजिक सुरक्षा के जीवन बिताती रहीं। अब तस्वीर बदलती दिख रही है। राज्य सरकार का नया बोर्ड शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास, सामाजिक सुरक्षा, कौशल विकास और रोजगार जैसे मुद्दों पर विशेष कार्ययोजना बनाएगा। इससे उन परिवारों तक योजनाओं की पहुंच बढ़ने की उम्मीद है जो अब तक सरकारी तंत्र से पर्याप्त रूप से नहीं जुड़ पाए थे। विशेषज्ञ मानते हैं कि यदि बोर्ड की योजनाएं प्रभावी ढंग से लागू हुईं तो आने वाले वर्षों में बड़ा बदलाव दिख सकता है।

एनआईए ने मालप्पुरम अवैध विस्फोटक मामले में मुख्य साजिशकर्ता को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली : राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने केरलम के मालप्पुरम में अवैध विस्फोटकों की बरामदगी से जुड़े मामले में मुख्य साजिशकर्ता हारिस टीए को गिरफ्तार किया है। शनिवार को मालप्पुरम के मंजेरी से हुई इस गिरफ्तारी के साथ मामले में गिरफ्तार आरोपितों की संख्या 10 हो गई है। एनआईए के अनुसार, हारिस विस्फोटकों की अवैध खरीद की साजिश में शामिल था। यह कार्रवाई ऐसे समय हुई है जब एजेंसी मामले में विस्फोटकों की अवैध खरीद और उनके परिवहन के पीछे की व्यापक साजिश की जांच कर रही है। मामला 7 फरवरी 2026 को मालप्पुरम के चेम्माड-थलाप्पारा रोड स्थित फरहा हॉलो ब्रिक्स कंपनी के परिसर में खड़े एक ट्रक से 89,600 विस्फोटक स्टिक और 10,500 शॉक ट्यूब (नॉनएल) बरामद होने से जुड़ा है। केरल पुलिस ने ट्रक को रोककर उससे जुड़े तीन लोगों को गिरफ्तार किया था। आरोपितों के पास विस्फोटकों को रखने या उनके परिवहन के लिए वैध लाइसेंस या अनुमति नहीं थी। इसके बाद एनआईए ने मामले को फिर से दर्ज कर जांच अपने हाथ में ली। जांच के दौरान एजेंसी ने तीन राज्यों में 19 स्थानों पर तलाशी अभियान चलाया। तलाशी के दौरान आपत्तिजनक सामग्री बरामद हुई और विस्फोटकों की अवैध खरीद तथा आवाजाही से जुड़े अन्य लोगों की पहचान की गई। एनआईए के मुताबिक, हारिस टीए मामले में मुख्य साजिशकर्ताओं में शामिल था और बरामद किए गए विस्फोटकों की अवैध खरीद में उसकी भूमिका सामने आई है। एजेंसी उससे पूछताछ कर विस्फोटकों की खरीद के स्रोत, उनके परिवहन और अंतिम गंतव्य के बारे में जानकारी जुटा रही है। हारिस की गिरफ्तारी से एक दिन पहले 7 अगस्त को एनआईए ने कर्नाटक के विजयपुरा से तीन अन्य आरोपियों को गिरफ्तार किया था। इससे पहले भी एजेंसी इस मामले में कई आरोपितों को गिरफ्तार कर चुकी है। अब तक कुल 10 आरोपी गिरफ्तार किए जा चुके हैं। एनआईए की जांच का दायरा अब अवैध विस्फोटकों की बरामदगी तक सीमित नहीं है। एजेंसी यह पता लगाने में जुटी है कि इतनी बड़ी मात्रा में विस्फोटकों की खरीद किस उद्देश्य से की गई थी,

सिदो-कान्हू को नमन कर जल-जंगल-जमीन और संस्कृति की रक्षा का लिया संकल्प

जमशेदपुरः परसुडीह क्षेत्र के हलुदबनी-बागानटोला में विश्व आदिवासी दिवस पर आदिवासी समाज की एकजुटता और अपनी संस्कृति के प्रति सम्मान देखने को मिला। समारोह में ग्रामीण अखड़ा में एकत्रित हुए और अमर शहीद सिदो-कान्हू की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। धूप-दीप जलाकर शहीदों को नमन किया गया। इस दौरान उपस्थित लोगों ने उनके बताए मार्ग पर चलने और उनके सपनों को साकार करने का संकल्प लिया।

सिदो-कान्हू के बलिदान को किया यादः कार्यक्रम का नेतृत्व माझी बाबा अनंत कुमार हेंब्रम और पूर्व माझी बाबा रामसाय सोरेन ने किया। समारोह के दौरान वीर शहीद सिदो-कान्हू के संघर्ष और बलिदान को याद किया गया। ग्रामीणों ने कहा कि शहीदों का संघर्ष आज भी समाज को अपनी पहचान और अधिकारों के लिए एकजुट होकर आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है।

जल-जंगल-जमीन और अधिकारों की रक्षा का संदेशः समारोह को संबोधित करते हुए माझी बाबा अनंत कुमार हेंब्रम ने कहा - वीर शहीदों ने जल, जंगल, जमीन और आदिवासी समाज के अधिकार, सम्मान व अस्तित्व की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। उनका संघर्ष और बलिदान हमेशा समाज के लिए प्रेरणा का स्रोत रहेगा। उन्होंने ग्रामीणों का आह्वान करते हुए कहा कि अपनी भाषा, संस्कृति, परंपरा, पहचान और अधिकारों को सुरक्षित रखने के लिए पूरे समाज को एकजुट होकर आगे आने की जरूरत है। अपनी जड़ों और विरासत को बचाने के लिए लगातार प्रयास करना होगा।

उपायुक्त ने दी श्रद्धांजलि

मेट्रो रेज संवाददाता

मेदिनी नगरः विश्व आदिवासी दिवस पर स्टेशन रोड स्थित धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर उपायुक्त ने माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

छापेमारी के दौरान पुलिस ने पकड़ी अवैध शराब की बड़ी खेप, ट्रेलर से 1,236 बोतल जब्त

रामगढ़ः जिला के मांडू थाना क्षेत्र में पुलिस ने अवैध शराब की बड़ी खेप पकड़ी है। हेसागढ़ा स्थित इंडियन ऑयल पेट्रोल पंप के पास खड़े एक ट्रेलर की तलाशी के दौरान पुलिस को 103 कार्टन में 1,236 बोतल शराब मिली। पुलिस द्वारा बरामद शराब की कुल मात्रा करीब 927 लीटर बताई गई है।

पुलिस अधीक्षक मुकेश कुमार लूणायत को सूचना मिली थी कि मांडू थाना क्षेत्र के हेसागढ़ा में एक ट्रेलर खड़ा है, जिसमें शराब लोड है। सूचना के बाद अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के निर्देश पर छापेमारी टीम का गठन किया गया।

पुलिस टीम ने हेसागढ़ा स्थित इंडियन ऑयल पेट्रोल पंप के पास पहुंचकर ट्रेलर की जांच की। ट्रेलर के डाला की तलाशी लेने पर कंपनी की अंग्रेजी शराब की 103 कार्टन में कुल 1,236 बोतल शराब बरामद हुई। पुलिस के अनुसार बरामद शराब की कुल मात्रा करीब 927 लीटर है। थाना प्रभारी सदानंद कुमार ने कहा कि बरामद शराब के संबंध में कोई वैध कागजात प्रस्तुत नहीं किया गया। वहीं, शराब की बोतलों पर हरियाणा में बिक्री के लिए होने का उल्लेख पाया गया। ऐसे में पुलिस अब इस बात की जांच में जुटी है कि शराब की यह खेप हरियाणा से कहां भेजी गई थी और रामगढ़ में इसे किस जगह खपाने की तैयारी थी। पुलिस ने शराब की खेप के साथ ट्रेलर को जब्त कर लिया है। मामले में मांडू थाना में एफआईआर दर्ज कर संबंधित धाराओं के तहत कानूनी कफिलहाल पुलिस ट्रेलर के चालक, शराब की खेप से जुड़े लोगों और इसके संभावित खरीदारों की जानकारी जुटा रही है। शराब की इस खेप के आने और इसके कहा खपाया जाना था इसकी जांच कर रही है। अब जांच के बाद ही साफ होगा कि शराब की इतनी बड़ी खेप कहां से लाई गई थी और इसे कहां पहुंचाया जाना था।

आदिवासी महोत्सव को लेकर मंच तैयार, कला संस्कृति व परंपराओं की दिखेगी समृद्ध झलक

बोकारो : विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर आज आयोजित होने वाले बोकारो आदिवासी महोत्सव को लेकर शिबू सोरेन स्मृति भवन (टाउन हॉल) में मंच एवं आयोजन स्थल की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। महोत्सव में आदिवासी संस्कृति, लोक परंपराओं, कला एवं विरासत की समृद्ध झलक देखने को मिलेगी। महोत्सव के सफल आयोजन को लेकर जिला प्रशासन द्वारा कार्यक्रम स्थल पर आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं। मंच को आकर्षक रूप से सजाया गया है और आगंतुकों की सुविधा के लिए भी विभिन्न व्यवस्थाएं की गई हैं।

कार्यक्रम के दौरान आदिवासी लोक कला एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ-साथ पारंपरिक हस्तशिल्प, खान-पान एवं जनजातीय जीवन से जुड़ी विविध झलकियां भी प्रस्तुत की जाएंगी। महोत्सव का उद्देश्य आदिवासी समाज की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को सम्मान देने के साथ-साथ नई पीढ़ी को अपनी लोक परंपराओं और गौरवशाली इतिहास से जोड़ना है।

राजकीय श्रावणी मेला

उपायुक्त ने अहले सुबह मेला क्षेत्र और बाबा मंदिर का किया सघन निरीक्षण

सुगम व सुरक्षित जलार्पण के लिए अधिकारियों को दिया आवश्यक निर्देश

विनय मिश्रा

देवघरः राजकीय श्रावणी मेला, 2026 के सफल, सुरक्षित और सुव्यवस्थित संचालन को लेकर आज रविवार को अहले सुबह उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी सौरभ कुमार भुवानिया ने मेला क्षेत्र के विभिन्न रुटलाइन और बाबा बैद्यनाथ मंदिर प्रांगण का व्यापक निरीक्षण किया। उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि देश-विदेश से आने वाले देवतुल्य श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की कठिनाई न हो और वे सुगमतापूर्वक बाबा पर जलार्पण कर सकें।

निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने बीएड कॉलेज, तिवारी चौक, जलसार पार्क और शिवराम झा चौक का दौरा किया। उन्होंने इन क्षेत्रों में प्रशासनिक तैयारियों, बैरिकेडिंग, रूटलाइन व्यवस्था, साफ-सफाई, पेयजल और स्वास्थ्य सुविधाओं की बारीकी से जांच की। मौके पर उपस्थित संबंधित विभागों के अधिकारियों को कमियों को तत्काल दूर करने और व्यवस्थाओं को पूरी तरह चाक-चौबंद रखने का कड़ा निर्देश दिया गया। इसके पश्चात उपायुक्त ने बाबा मंदिर के आसपास के क्षेत्रों तथा मंदिर प्रांगण का सघन निरीक्षण किया। वहां प्रतिनियुक्त अधिकारियों, दंडाधिकारियों और पुलिस पदाधिकारियों को निर्देशित करते हुए उन्होंने कहा कि मेला ड्यूटी को केवल एक प्रशासनिक दायित्व न समझें, बल्कि इसे सेवा का एक पुनीत अवसर मानते हुए पूरी निष्ठा और सेवा भाव से श्रद्धालुओं की सहायता करें।

कतारबद्ध और सुरक्षित जलार्पण पर विशेष जोरः रविवार और आगामी सोमवारी को लेकर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ की संभावना को देखते हुए उपायुक्त ने भीड़ प्रबंधन (क्राउड मैनेजमेंट) की समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिया कि कतारबद्ध तरीके से श्रद्धालुओं को आगे बढ़ाया जाए ताकि सुगम, सुरक्षित और व्यवस्थित जलार्पण सुनिश्चित किया जा सके। सुरक्षा के दृष्टिकोण से उन्होंने सीसीटीवी कैमरों, नियंत्रण कक्ष (कंट्रोल रूम) और सूचना केंद्रों को भी निरंतर सक्रिय और सतर्क रहने को कहा।

इस दौरान उपरोक्त के अलावा उप विकास आयुक्त पीयूष सिन्हा, अनुमंडल पदाधिकारी रवि कुमार, जिला खेल पदाधिकारी संतोष कुमार, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी रोहित कुमार विद्यार्थी, व संबंधित दंडाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारी उपस्थित थे।

14वीं जेपीएससी परीक्षा पर अभ्यर्थियों की आपत्ति पहुंची सुप्रीम कोर्ट, परीक्षा रद्द कर दोबारा कराने की मांग

रांचीः 14वीं जेपीएससी प्रारंभिक परीक्षा को लेकर अभ्यर्थियों की आपत्तियां अब सुप्रीम कोर्ट पहुंच गई हैं। अभ्यर्थियों की ओर से दाखिल याचिका में 19 अप्रैल 2026 को आयोजित 14वीं जेपीएससी प्रारंभिक परीक्षा को रद्द कर नए सिरे से परीक्षा कराने की मांग की गई है। याचिका में परीक्षा की पूरी प्रक्रिया को जांच के दायरे में रखने के साथ-साथ ओएमआर स्कैनिंग, कोडिंग, मूल्यांकन और परिणाम तैयार करने की प्रक्रिया की स्वतंत्र जांच की मांग की गई है। साथ ही ओएमआर स्कैनिंग, कोडिंग और मूल्यांकन का स्वतंत्र तकनीकी ऑडिट कराने का भी अनुरोध किया गया है।

परीक्षा की पूरी प्रक्रिया की जांच की मांगः याचिका में कहा गया है कि परीक्षा प्रक्रिया को लेकर उठ रहे सवालों की स्वतंत्र जांच जरूरी है, ताकि अभ्यर्थियों के बीच परीक्षा की निष्पक्षता को लेकर भरोसा कायम हो सके। अभ्यर्थियों ने 19 अप्रैल को आयोजित प्रारंभिक परीक्षा को रद्द करने के बाद दोबारा परीक्षा कराने की मांग को प्रमुखता से रखा है।

याचिका में परीक्षा की स्कैनिंग, कोडिंग, मूल्यांकन और परिणाम तैयार करने तक की पूरी प्रक्रिया की जांच कराने का अनुरोध किया गया है। इसके अलावा ओएमआर से जुड़े तकनीकी पहलुओं का स्वतंत्र ऑडिट कराने की मांग भी की गई है। 14वीं जेपीएससी को लेकर सीआईडी जांच भी जारीः इधर, 14वीं जेपीएससी परीक्षा को लेकर राज्य स्तर पर सीआईडी की जांच भी जारी है। जांच के दौरान परीक्षा से संबंधित दस्तावेजों और ओएमआर रिकॉर्ड को भी शामिल किया गया है। जानकारी के मुताबिक, करीब एक हजार सफल अभ्यर्थियों की ओएमआर शीट मंगाकर उन्हें मूल रिकॉर्ड से मिलान किए जाने की प्रक्रिया चल रही है। परीक्षा प्रक्रिया से जुड़े लोगों से पूछताछ के साथ कुछ मामलों में कार्रवाई भी की जा चुकी है। अब जांच का दायरा परीक्षा से जुड़े रिकॉर्ड और तकनीकी प्रक्रियाओं तक बढ़ गया है। जेपीएससी के वर्तमान सदस्यों को भी पूछताछ का समनः जेपीएससी -जेएसएससी विवाद के बीच सीआईडी ने आयोग के वर्तमान सदस्यों को भी पूछताछ के लिए समन भेजा है। इनमें अजीत भट्टाचार्य, अनिमा हांसदा और डॉ। जमाल अहमद के नाम सामने आए हैं।

आदिवासी समाज अनमोल विरासत का संवाहक : उपायुक्त कंचन सिंह

संवाददाता

सिमडेगाः विश्व आदिवासी दिवस 2026 पर उपायुक्त कंचन सिंह ने सिमडेगा जिला वासियों, विशेषकर आदिवासी समाज के सभी भाई-बहनों को हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई दी। उन्होंने कहा कि आदिवासी समाज देश की समृद्ध संस्कृति, परंपरा, लोककला, भाषा और प्रकृति संरक्षण की अनमोल विरासत का संवाहक है।

विश्व आदिवासी दिवस केवल उत्सव नहींः उपायुक्त कंचन सिंह ने कहा कि जल, जंगल और जमीन के संरक्षण के साथ प्रकृति के प्रति आदिवासी समाज की संवेदनशीलता और जीवनशैली हम सभी के लिए प्रेरणादायी है। विश्व आदिवासी दिवस केवल उत्सव का अवसर नहीं, बल्कि आदिवासी समुदायों के अधिकारों, सम्मान, समान अवसर और समावेशी विकास के प्रति जागरूकता बढ़ाने का महत्वपूर्ण दिवस है। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन का संकल्प है कि सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और सामाजिक सुरक्षा के क्षेत्र में आदिवासी समाज को आगे बढ़ने के लिए समान अवसर उपलब्ध कराना प्राथमिकता है। संस्कृति एवं परंपराओं के साथ समावेशी समाज का निर्माणः उपायुक्त कंचन सिंह ने कहा कि विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर सभी को आदिवासी संस्कृति एवं परंपराओं के संरक्षण के साथ-साथ समावेशी और समतामूलक समाज के निर्माण का संकल्प लेना चाहिए। उन्होंने जिला वासियों से अपील की कि वे आदिवासी समाज की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, परंपराओं और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण में अपनी भूमिका निभाएं। विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर आज अल्बर्ट एक्का स्टेडियम, सिमडेगा में आयोजित कार्यक्रम में सामूहिक रूप से इस दिशा में संकल्प लेने का आह्वान भी किया गया।

ब्राउन शुगर के साथ युवक गिरफ्तार 38 पुड़िया और मोबाइल बरामद

जमशेदपुरः पूर्वी सिंहभूम पुलिस ने नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ कार्रवाई करते हुए पारडीह चौक के पास से 21 वर्षीय युवक सौरभ ओहरी को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार उसके पास से ब्राउन शुगर की 38 पुड़िया और एक स्मार्ट मोबाइल फोन बरामद किया गया है। पुलिस को 7 अगस्त 2026 की शाम करीब 8:10 बजे पारडीह चौक और आसपास के इलाके में ब्राउन शुगर की खरीद-बिक्री की सूचना मिली थी। सूचना के आधार पर पटमदा के पुलिस उपाधीक्षक के नेतृत्व में विशेष टीम गठित कर इलाके में निगरानी शुरू की गई। निगरानी के दौरान टीम की नजर एक संदिग्ध युवक पर पड़ी। पुलिस को देखते ही उसने भागने की कोशिश की, लेकिन जवानों ने घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया।

आदिवासी दिवस पर सवालः क्या हमने उनकी आवाज सचमुच सुनी है?

जल-जंगल-जमीन से आगे बढ़कर अब अधिकार, अस्मिता और निर्णय की सत्ता आदिवासी समाज को दी जाये

मेट्रोरेज संवाददाता

मेदिनी नगरः 9 अगस्त को विश्व आदिवासी दिवस मनाया जाता है। दुनिया भर में आदिवासी समुदायों के अधिकार, संस्कृति, पहचान और सम्मान की चर्चा होती है। भारत में भी इस दिन आदिवासी समाज की समृद्ध परंपराओं और उसके योगदान को याद किया जाता है। लेकिन हर वर्ष इस अवसर पर एक प्रश्न हमारे सामने और अधिक गंभीर होकर खड़ा होता है–क्या आदिवासी समाज को केवल याद किया जा रहा है, या उसकी आवाज को वास्तव में सुना भी जा रहा है?

यह प्रश्न इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि भारत की लोकतांत्रिक और सांस्कृतिक यात्रा आदिवासी समाज के योगदान के बिना अधूरी है।

झारखंड की धरती इस सच्चाई की सबसे बड़ी गवाह है। यहां के जंगलों और पहाड़ों ने केवल प्राकृतिक संपदा नहीं संभाली, बल्कि सदियों से ऐसी जीवन-पद्धति को भी संरक्षित रखा जिसमें मनुष्य और प्रकृति के बीच संघर्ष नहीं, सह-अस्तित्व था।

बिरसा मुंडा का उलगुलान इसी अस्मिता का ऐतिहासिक प्रतीक है। संताल हूल और झारखंड के अनेक जनजातीय आंदोलनों की पृष्ठभूमि में केवल आर्थिक शोषण का प्रश्न नहीं था; वहां जमीन, समुदाय, संस्कृति और स्वाभिमान की रक्षा का सवाल भी था।

आज हमारे पास संविधान है। लोकतांत्रिक संस्थाएं हैं। कानून हैं। पांचवीं अनुसूची है। अनुसूचित क्षेत्रों के लिए विशेष संवैधानिक प्रावधान हैं। पेसा कानून है। वनाधिकार कानून है।

फिर भी सवाल बना हुआ है–क्या कानून की आत्मा जमीन पर भी उतनी ही मजबूती से दिखाई देती है, जितनी संविधान की किताब में?

यहीं से विश्व आदिवासी दिवस की वास्तविक प्रासंगिकता शुरू होती है।

ग्रामसभा को कागज से जमीन तक अधिकारः अनुसूचित क्षेत्रों में ग्रामसभा लोकतंत्र की सबसे महत्वपूर्ण संस्था हो सकती है। लेकिन इसके लिए उसे केवल बैठकों और प्रस्तावों तक सीमित नहीं रखा जा सकता। ग्रामसभा को जानकारी, अधिकार और निर्णय की वास्तविक क्षमता देनी होगी। पेसा की मूल भावना यही है कि आदिवासी क्षेत्रों में स्थानीय समुदाय की परंपराओं, सामाजिक व्यवस्था और सामुदायिक संसाधनों का सम्मान हो तथा स्थानीय निर्णय प्रक्रिया में ग्रामसभा की केंद्रीय भूमिका हो।

यदि किसी गांव के जंगल, जमीन, जलस्रोत या सामुदायिक संसाधन के बारे में निर्णय उस गांव के लोगों की आवाज को दरकिनार करके होगा, तो विकास की लोकतांत्रिक वैधता पर प्रश्न उठना स्वाभाविक है। लोकतंत्र का अर्थ केवल पांच वर्ष में एक बार मतदान करना नहीं है। लोकतंत्र का अर्थ यह भी है कि जिन लोगों की जिंदगी पर कोई निर्णय असर डालता है, उनकी आवाज उस निर्णय में सुनी जाए।

जल-जंगल-जमीन केवल नारा नहींः आदिवासी समाज के संदर्भ में जल, जंगल और जमीन का उल्लेख अक्सर राजनीतिक नारे के रूप में किया जाता है। लेकिन आदिवासी जीवन में यह तीन शब्द पूरी जीवन-व्यवस्था का आधार हैं।

जंगल से भोजन, औषधि, ईंधन और आजीविका जुड़ी है। जमीन से कृषि और आवास जुड़ा है। जल से जीवन और खेती जुड़ी है। इनसे उनकी संस्कृति, पर्व, परंपराएं और सामाजिक संबंध भी जुड़े हैं।

इसलिए किसी भूमि या वन क्षेत्र को केवल आर्थिक संसाधन मानकर देखने से आदिवासी समाज के जीवन की वास्तविकता समझी ही नहीं जा सकती।

खनिज संपदा देश की संपत्ति हो सकती है, लेकिन उसके नीचे रहने वाले लोगों का जीवन भी उतना ही मूल्यवान है। विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन की बात करते समय स्थानीय समुदाय को केंद्र में रखना होगा। खनन, उद्योग और आधारभूत संरचना देश की जरूरत हो सकते हैं, लेकिन इनके लाभ और लागत का न्यायपूर्ण बंटवारा भी उतना ही जरूरी है।

विस्थापन का दर्द आंकड़ों में नहीं समाताः किसी परियोजना से प्रभावित परिवार के लिए जमीन केवल एक भूखंड नहीं होती। वह घर होती है, खेत होती है, स्मृति होती है, पूर्वजों की निशानी होती है और आने वाली पीढ़ियों की सुरक्षा होती है। इसलिए पुनर्वास को केवल मुआवजे की रकम तक सीमित करना पर्याप्त नहीं हो सकता। यदि किसी परिवार को उसकी सामाजिक और सांस्कृतिक जड़ों से अलग कर दिया गया, तो केवल आर्थिक भुगतान से उस क्षति की भरपाई नहीं होती। वास्तविक विकास वही होगा जिसमें प्रभावित समुदाय को सम्मानजनक पुनर्वास, आजीविका, शिक्षा, स्वास्थ्य और भविष्य की सुरक्षा मिले–और जहां संभव हो, विकास की योजना बनाते समय स्थानीय समुदाय की भागीदारी प्रारंभ से सुनिश्चित हो।

आदिवासी भाषा बचेगी तो इतिहास बचेगाः आदिवासी समाज की लड़ाई केवल जमीन की लड़ाई नहीं है। यह भाषा और संस्कृति की रक्षा की लड़ाई भी है। भाषा समाप्त होती है तो केवल शब्द समाप्त नहीं होते। लोकस्मृति, गीत, कहावतें, पारंपरिक ज्ञान और इतिहास का एक हिस्सा भी धीरे-धीरे मिटने लगता है। इसलिए आदिवासी भाषाओं को शिक्षा, प्रशासन और सांस्कृतिक संस्थानों में अधिक सम्मान और अवसर मिलना चाहिए।

आदिवासी बच्चे आधुनिक शिक्षा और तकनीक में आगे बढ़ें, यह समय की जरूरत है। लेकिन साथ ही उन्हें अपनी भाषा, संस्कृति और इतिहास पर गर्व करने का अवसर भी मिले। आधुनिकता और अस्मिता एक-दूसरे के विरोधी नहीं हैं।

आदिवासी महिला और युवा–भविष्य की असली शक्ति : आदिवासी समाज के विकास की चर्चा तब तक अधूरी रहेगी जब तक महिलाओं और युवाओं को केंद्र में नहीं रखा जाता।

आदिवासी महिलाएं कृषि, वन उपज, परिवार और स्थानीय अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उन्हें शिक्षा, कौशल, उद्यम और बाजार से जोड़ना केवल महिला सशक्तीकरण नहीं, बल्कि पूरे समुदाय की आर्थिक शक्ति को बढ़ाना है।

इसी तरह आदिवासी युवाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, तकनीकी प्रशिक्षण, रोजगार और उद्यमिता के अवसर देना होगा। पलायन को केवल समस्या मानने के बजाय स्थानीय स्तर पर ऐसी अर्थव्यवस्था विकसित करनी होगी जिसमें युवा अपने गांव और क्षेत्र में सम्मानजनक रोजगार पा सकें। प्रकृति से सीखने का समयः आज दुनिया जलवायु परिवर्तन से चिंतित है। जंगलों की कटाई, जलस्रोतों का संकट और जैव विविधता का नुकसान मानव सभ्यता के सामने गंभीर चुनौती हैं। ऐसे समय में आदिवासी समाज की पारंपरिक प्रकृति-दृष्टि हमारे लिए महत्वपूर्ण सीख है। जिस समाज ने जंगल को केवल संसाधन नहीं बल्कि जीवन माना, उसके पारंपरिक ज्ञान को आधुनिक विकास नीति में स्थान मिलना चाहिए। यह विडंबना है कि दुनिया आज पर्यावरण बचाने के नए मॉडल खोज रही है, जबकि हमारे आदिवासी समुदायों के पास प्रकृति के साथ संतुलित जीवन का सदियों पुराना अनुभव मौजूद है।

सहानुभूति नहीं, संवैधानिक न्याय चाहिएः विश्व आदिवासी दिवस पर सबसे जरूरी बात यही है कि आदिवासी समाज को केवल सहानुभूति की दृष्टि से देखना बंद किया जाए। उसे किसी पिछड़े हुए समुदाय के रूप में नहीं, बल्कि संविधान द्वारा समान अधिकार प्राप्त नागरिक और राष्ट्र-निर्माण के बराबर के साझेदार के रूप में देखा जाना चाहिए।

आदिवासी समाज को मुख्यधारा में लाने की बात अक्सर कही जाती है। लेकिन सवाल यह होना चाहिए कि मुख्यधारा कैसी हो?

क्या मुख्यधारा में शामिल होने के लिए किसी समुदाय को अपनी भाषा छोड़नी होगी? अपनी संस्कृति छोड़नी होगी? अपनी पहचान छोड़नी होगी?

नहीं। भारत की मुख्यधारा इतनी व्यापक होनी चाहिए कि हर समुदाय उसमें अपनी पहचान के साथ सम्मानपूर्वक खड़ा हो सके।

यही भारतीय संविधान की खूबसूरती है। यही हमारी विविधता की शक्ति है। विश्व आदिवासी दिवस इसलिए केवल उत्सव का दिन नहीं, बल्कि आत्ममंथन का दिन है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि बिरसा मुंडा को माला पहनाना आसान है, लेकिन उनके संघर्ष के मूल प्रश्नों को समझना कठिन है।

आदिवासी संस्कृति की प्रशंसा करना आसान है, लेकिन उसके अधिकारों के लिए खड़ा होना कठिन है। ग्रामसभा की शक्ति की बात करना आसान है, लेकिन उसे वास्तविक अधिकार देना कठिन है।

और विकास की बातें करना आसान है, लेकिन विकास का लाभ सबसे पहले उस व्यक्ति तक पहुंचाना कठिन है जिसकी जमीन और संसाधनों से विकास की शुरूआत होती है। अब समय है कि हम कठिन रास्ता चुनेंःआदिवासी समाज को प्रतीक नहीं, साझेदार बनाएं।उसे लाभार्थी नहीं, अधिकारधारी मानें।उसकी संस्कृति को संग्रहालय में नहीं, जीवंत समाज में सुरक्षित रखें।और उसके विकास की योजना उसके लिए नहीं, उसके साथ मिलकर बनाएं। क्योंकि आदिवासी अधिकारों की रक्षा केवल आदिवासी समाज का प्रश्न नहीं है। यह भारतीय लोकतंत्र की परीक्षा है। यह संविधान की विश्वसनीयता का प्रश्न है। यह सामाजिक न्याय की कसौटी है। और अंततः यह तय करेगा कि भारत का विकास केवल आर्थिक रूप से बड़ा हुआ है या वास्तव में न्यायपूर्ण, समावेशी और मानवीय भी बना है। विश्व आदिवासी दिवस पर आइए संकल्प लें–आदिवासी अस्मिता का सम्मान करेंगे, संवैधानिक अधिकारों की रक्षा करेंगे, ग्रामसभा को मजबूत करेंगे और ऐसा विकास मॉडल बनाएंगे जिसमें जल, जंगल और जमीन के साथ उन पर निर्भर लोगों का भविष्य भी सुरक्षित हो। यही आदिवासी समाज के प्रति सच्चा सम्मान है।यही संविधान के प्रति सच्ची निष्ठा है।और यही भारत की लोकतांत्रिक आत्मा है।

— हृदयानंद मिश्र, अधिवक्ता